सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 144 | जौनपुर, सोमवार, 19 फरवरी 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

नासा के साथ संयुक्त उपग्रह मिशन जासूसी उद्देश्यों के लिए नहीं – इसरो

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख एस. सोमनाथ ने शनिवार को कहा कि अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के साथ संयुक्त उपग्रह मिशन का उद्देश्य जासूसी करना नहीं, बल्कि पृथ्वी का अध्ययन करना है। सोमनाथ ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के बाद पृथ्वी का अध्ययन करने के लिए 'सिंथेटिक एपर्चर रडार' उपग्रह विकसित करने के लिए इसरो 'नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन' (नासा) के साथ मिलकर काम कर रहा है। उन्होंने कहा, जीएसएलवी (रॉकेट) का अगला मिशन एनआईएसएआर मिशन है – नासा–इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार मिशन, जो एक बहुत बड़ा उपग्रह है। 'पेलोड' क्षमता के साथ–साथ आयतन के संदर्भ में रॉकेट का विन्यास और क्षमता लगातार बढ़ रहा है जो काफी उपयोग होने वाला है। एक सवाल के जवाब में सोमनाथ ने स्पष्ट किया, एनआईएसएआर कोई जासूसी उपग्रह नहीं है।

चुनावी बान्ड मुद्दे पर न्यायालय के आदेश का पालन करेगा – राजीव

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने शनिवार को यहां कहा कि चुनाव आयोग चुनावी बॉन्ड योजना के संबंध में उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का पालन करेगा। कुमार ने संवाददाताओं से कहा कि आयोग हमेशा सूचना प्रवाह और भागीदारी में पारदर्शिता के आधार पर काम करता है। उन्होंने कहा, शीर्ष अदालत को दिए अपने हलफनामे में, आयोग ने कहा कि वह पारदर्शिता के पक्ष में है और जब आदेश जारी किया जाएगा, तो वह उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार कदम उठाएगा। ईवीएम के प्रयोग के बिना चुनाव कराने को लेकर उच्चतम न्यायालय में लंबित मामले से जुड़े एक सवाल पर मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा, ''फैसला आने दीजिए...अगर जरूरत पड़ी तो अदालत के निर्देश के मुताबिक बदलाव किए जाएंगे। उच्चतम न्यायालय ने आगामी लोकसभा चुनाव से पहले बृहस्पतिवार को एक ऐतिहासिक फैसले में चुनावी बॉण्ड योजना को 'असंवैधानिक' करार देते हुए निरस्त कर दिया तथा चंदा देने वालों, बॉण्ड के मूल्यों और उनके प्राप्तकर्ताओं की जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच–सदस्यीय संविधान पीठ ने 2018 की इस योजना को भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एवं सूचना के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन बताया। शीर्ष अदालत केंद्र की इस दलील से सहमत नहीं थी कि योजना का उद्देश्य राजनीतिक चंदे में पारदर्शिता लाना और काले धन पर अंकुश लगाना था।

एलजी सक्सेना ने किया ऑल वुमन पुलिस पोस्ट का उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने रविवार को श्रद्धानंद मार्ग स्थित कमला थाना मार्केट में ऑल वुमेन पुलिस पोस्ट का उद्घाटन किया। इस दौरान दिल्ली पुलिस के कमिश्नर संजय अरोड़ा समेत तमाम अधिकारी भी मौजूद रहे। इसकी फोटो उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर शेयर भी की है। एडब्ल्यूपीपी के उद्घाटन के बाद उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने मीडिया से बात करते हुए महिला पुलिस चौकी का उद्घाटन करने के लिए दिल्ली पुलिस कमिश्नर का बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली पुलिस ने एक ऐतिहासिक काम किया है, पहली ऑल वुमन पुलिस पोस्ट का यहां उद्घाटन हुआ है। आप जानते है कि यह इलाका कितना सेंसिटिव है, और यहां जो पीड़ित महिलाएं है उनको एक प्लेटफॉर्म की जरूरत थी, जहां वो अपनी बात कह सके। इस पुलिस चौकी पर एक सब–इंस्पेक्टर इंचार्ज हैं और उनके साथ 10 महिला कांस्टेबल हैं। उनको स्कूटी भी उपलब्ध करवाई

गई है, जहां रात को वह पेट्रोलिंग कर पीड़ित महिलाओं से बातचीत कर सके। उन्होंने आगे कहा कि 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर महिलाओं का प्रदर्शन अद्भुत था। उसी से प्रेरणा लेकर यह तय किया था क्यों न हम दिल्ली में महिला पुलिस पोस्ट शुरू करे। आज इसकी शुरुआत हो गई है, दूसरी शुरुआत अभी खान मार्केट से होने वाली है। आज दो और पुलिस चौकियों का उद्घाटन हो रहा है। हमारी कोशिश है कि दिल्ली में ज्यादा से ज्यादा महिला पुलिस पोस्ट बनाया जाएँ।

मंदिर निर्माण देश के लिए गौरवशाली उपलब्धि - जेपी नड्डा

नई दिल्ली, एजेंसी। राम मंदिर निर्माण को राजनीतिक प्रस्ताव में भी स्थान देते हुए भाजपा ने इस पर अलग से प्रस्ताव पारित किया। पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन के दूसरे दिन लाए गए इस प्रस्ताव में भावनाएं व्यक्त की गईं कि अयोध्या में मंदिर निर्माण से आज सारा देश राममय है और यह देश के लिए गौरवशाली उपलब्धि है। राम मंदिर निर्माण का प्रस्ताव भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने जयश्री राम का नारा लगाते हुए रखा। भगवान राम की जन्मस्थली पर भव्य मंदिर का निर्माण देश के लिए गौरवशाली उपलब्धि है। यह नए कालचक्र के उद्भव के साथ भारत के लिए अगले एक हजार वर्षों के लिए भारत में राम राज्य की स्थापना का उद्घोष है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इसका श्रेय देते हुए पार्टी की ओर से श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए उनका अभिनंदन किया गया। नड्डा ने कहा, श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव राष्ट्रोत्सव की रूप में मनाया गया, जो नए युग की शुरुआत बनकर उभरा है। यह भारत

के दर्शन–दिग्दर्शन और राष्ट्र चेतना का मंदिर बन गया है। हर भारतीय आल्हादित है। पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र देते हुए बताया अगले 100 दिनों का प्लान उन्होंने कहा कि संस्कृति प्रधान देश में पीएम मोदी ने ऐतिहासिक क्षण को भव्यता दी। भाजपा का यह संकल्प था कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण होना चाहिए। नौ नवंबर, 2019 को सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास का गठन किया, जिसके परिणामस्वरूप मंदिर निर्माण का कार्य त्वरित गति से चला और महज चार वर्ष में मंदिर में 22 जनवरी, 2024 को प्राण प्रतिष्ठा हो गई। यह महान भारत की यात्रा की शुरुआत है। यह दुनिया भर में फैले भारतीयों के लिए पवित्र दिन और सांस्कृतिक विरासत का प्रतिबिंब बन गया है। जेपी नड्डा ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए मोदी सरकार ने अभूतपूर्व काम किया है। धर्म के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के चलते ऐसे कई काम किए हैं। भगवान राम को मौलिक अधिकारों का प्रेरणास्त्रोत बताते हुए मोदी शासनकाल को राम राज्य की परिकल्पना और महात्मा गांधी के संदेश से जोड़ते हुए कहा कि आज देश राममय है, हर्षित है। देश की विकास यात्रा में यह अविस्मरणीय क्षण है। बीते दस वर्षों में भारतीय सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गौरव पुनः स्थापित हुआ है। संपूर्ण भारत आज राममय है। इसके बाद जय श्रीराम के उद्घोष के साथ प्रतिनिधियों ने खड़े होकर प्रस्ताव का समर्थन करते हुए इसे पारित कराया।

इंडी गठबंधन भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण की राजनीति का पोषक - शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की उपलब्धियों का बखान करने के साथ ही कांग्रेस और आइएन

डीआइए के सहयोगी विपक्षी दलों के भ्रष्टाचार का उल्लेख करते हुए कलंक कथा भी कार्यकर्ताओं को याद दिलाई। पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन के अंतिम दिन शाह ने ऐसे ही तर्क और संदेश जनता के बीच ले जाने का आव्हान कार्य कर्ताओं से करते हुए कहा कि अब यह जनता को तय करना है कि भ्रष्टाचार की पोषक और तुष्टिकरण करने वाली पार्टियां चाहिए या देश के लिए जान न्योछावर करने वाली भाजपा। जिस तरह महाभारत की लड़ाई में कौरव और पांडवों के दो खेमे पड़े हुए थे, वैसे ही इस चुनाव में दो खेमे हैं। एक खेमा है मोदी और भाजपा के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन का और दूसरा खेमा है कांग्रेस के नेतृत्व में सारी परिवावादी पार्टियों के इंडी अलायंस का। देश को दोनों में से एक को चुनना है। इंडी गठबंधन भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण की राजनीति का पोषक है और भाजपा व एनडीए का गठबंधन राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर चलने वाला है। देश की जनता को तय करना है कि यह परिवार वादी पार्टियां चाहिए? भ्रष्टाचार की पोषक और तुष्टिकरण वाली पार्टियां चाहिए या देश के लिए जान न्योछावर करने वाली भाजपा चाहिए। उन्होंने कहा कि इंडी अलायंस कांग्रेस के नेतृत्व में बना है। इस देश में भ्रष्टाचार की जनक कांग्रेस है और भ्रष्टाचार का पोषण भी कांग्रेस ने किया है। यूपीए शासन काल के घोटालों का उल्लेख करते हुए कहा कि एक ओर लाखों–करोड़ों के घोटाले करने वाली कांग्रेस है और दूसरी ओर पीएम मोदी के रूप में ऐसा नेतृत्व, जिन पर 23–23 साल से राज्य और केंद्र सरकार में मुखिया रहने के बाद भी हमारे विरोधी तक एक काली पाई का आरोप न लगा सकें।

कांग्रेस ने कार्यकर्ताओं से लोकसभा चुनाव के लिए समर्थन जुटाने का आह्वान किया

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और राज्य कांग्रेस इकाई के अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को पार्टी कार्यकर्ताओं से आगामी लोकसभा चुनावों के लिए सबसे पुरानी पार्टी के लिए समर्थन जुटाने के लिए घर–घर जाने का आह्वान किया। शिवकुमार ने मंगलुरु में कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ता सम्मेलन में कहा, क्षेत्र की महिलाएं इस बार कांग्रेस का समर्थन करेंगी क्योंकि वे गारंटी योजनाओं से खुश हैं। हमें आगामी आम चुनावों में कम से कम 20 सीटें जीतने का भरोसा है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से बाहर जाकर वोट मांगने का आग्रह करते हुए कहा, हमने अपने सभी वादों को लागू किया है। शिवकुमार ने कहा, कोई भी अन्य सरकार इस तरह की योजनाओं को

लागू करने में कामयाब नहीं हुई है। मंगलुरु क्षेत्र में मेरे दोस्तों को उम्मीद नहीं खोनी चाहिए। यह मत सोचिए कि आपने विधानसभा चुनाव में जिले में केवल दो सीटें जीती हैं और सीटें नहीं बढ़ा पाएंगे? जब सदानंद गौड़ा मुख्यमंत्री थे, हमने अपना उम्मीदवार खड़ा किया और जीत हासिल की। अब जद–एस और भाजपा ने हाथ क्यों मिला लिया है?

उत्तर प्रदेश में 10 लाख करोड़ की परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे पीएम मोदी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही प्रदेश सरकार के लिए सोमवार का दिन बहुत महत्वपूर्ण होने जा रहा है। सोमवार को राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी 4.0) के जरिए प्रदेश भर में 10 लाख करोड़ से ज्यादा की 14 हजार से अधिक परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे। इसके साथ ही प्रदेश में करीब 34 लाख रोजगार के अवसरों की संभावनाओं के द्वारा भी खुल जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी सीएम योगी के साथ यहां आयोजित होने वाली प्रदर्शनी का भी अवलोकन करेंगे। साथ ही मुख्य जीबीसी हैंगर में वो प्रदेश की जनता को संबोधित करते हुए इन परियोजनाओं की शुरुआत के लिए शुभकामनाएं देंगे। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष 10 से 12 फरवरी के मध्य ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन हुआ था। उसके करीब एक वर्ष बाद 19–21 फरवरी के बीच ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 4.0 का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें पीएम मोदी समेत तमाम वीआईपी शामिल होंगे।

लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाएगा उत्तर प्रदेश

22 जनवरी को अयोध्या में प्रभु श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद योगी सरकार के लिए यह एक और बड़ा अवसर है, जब पूरी दुनिया की नजरें उत्तर प्रदेश की ओर लगी होंगी। पीएम मोदी के मार्गदर्शन और

सीएम योगी के नेतृत्व में इन परियोजनाओं की शुरुआत से उत्तर प्रदेश सरकार अपने लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाएगी। आयोजन के शुभारंभ के अवसर पर पीएम मोदी सरकार की उपलब्धियों की जानकारी देंगे तो साथ ही निवेशकों को सफलता के मंत्र भी बताएंगे। इस अवसर पर सीएम योगी भी उत्तर प्रदेश में उद्योगों के अनुरूप माहौल के साथ ही भविष्य की योजनाओं को लेकर अपनी बात रखेंगे। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी पीएम मोदी का स्वागत करेंगे, जबकि हिंदुजा ग्रुप के चेयरमैन धीरज हिंदुजा, सैमसंग, साउथ वेस्ट एशिया के सीईओ जेपी पार्क, आईएनजीकेए के सीईओ सुसैन पल्वरर, टोरेंट ग्रुप के एमडी जीनल मेहता और एडवर्ब टेक्नोलॉजीज के चेयरमैन जलज मेहता भी प्रदेश में औद्योगिक विकास की उपलब्धियों के विषय में अपने विचार रखेंगे। भारत सरकार के रक्षा मंत्री और लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह भी यहां अपने विचार रखेंगे, जिसके बाद पीएम मोदी परियोजनाओं को डिजिटल ग्राउंड ब्रेकिंग के माध्यम से शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर पीएम को प्रदेश सरकार की उपलब्धियों पर आधारित एक शॉर्ट फिल्म भी दिखाई जाएगी।

सभी तैयारियां पूरी

आयोजन की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। दो दिन पहले ही सीएम योगी ने तैयारियों का जायजा भी लिया था और आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए थे। कार्यक्रम में दुनिया भर के तकरीबन 4000 प्रतिभागियों के प्रतिभाग करने की संभावना है, जिसमें जाने माने उद्योगपति, फॉर्च्यून ग्लोबलध्इण्डिया 500 कंपनियां, विदेशी निवेशक भागीदार, राजदूत/उच्चायुक्त एवं अन्य प्रतिष्ठित अतिथि सम्मिलित हैं। ऐसे में कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए इन्वेस्ट यूपी द्वारा अलग–अलग जिम्मेदारियां दी गई हैं। इसमें विशिष्ट अतिथियों के होटल अरेंजमेंट के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, जबकि एयरपोर्ट, हेल्प डेस्क, व्हीकल अरेंजमेंट, पार्किंग के साथ ही रजिस्ट्रेशन के लिए भी प्रमुख लोगों को नियुक्त किया गया है। आने वाले डेलीगेट्स को गोल्ड, सिल्वर और रेड पास उपलब्ध कराए गए हैं। प्रदर्शनी स्थल पर 10 अलग–अलग पवेलियन बनाए गए हैं, जिनमें एआई पवेलियन, टेक्सटाइल, डाटा सेंटरध्इलेक्ट्रॉनिक्स एंड आईटी, वेयरहाउस एंड लॉजिस्टिक्स, फिल्म सिटी, इन्वेस्ट यूपीध्टॉप इन्वेस्टर्स, मेडिकल डिवाइसेज, ईवी एंड रिन्यूएबल एनर्जी और डिफेंसध्एयरोस्पेस शामिल हैं। आयोजन में स्टील के शिपिंग कंटेनर्स को बेस बनाकर जर्मन हैंगर बनाए गए हैं। साथ ही यहां श्रीराम जन्मभूमि मंदिर समेत डिफेंस के तमाम इक्विप्मेंट्स के 3डी रेप्लिका मॉडल्स को दर्शाया जाएगा। इसके साथ ही यीडा क्षेत्र में बनने जा रही फिल्म सिटी की भी पहली झलक यहां देखने को मिलेगी।

शरद पवार को लगा झटका, स्पीकर ने विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिका को किया खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के संस्थापक शरद पवार को नगालैंड में झटका लगा। नगालैंड विधानसभा अध्यक्ष शेरिंगेन

लोंगकुमेर ने एनसीपी के सात विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिका खारिज कर दी। दरअसल, आप यह सोच रहे होंगे कि एनसीपी विधायकों की अयोग्यता याचिका खारिज होने से शरद पवार को कैसे झटका लगा है तो हम आपको बता दें कि शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के राष्ट्रीय महासचिव हेमंत टकले ने 30 अगस्त, 2023 को सात विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिका दायर की थी, क्योंकि इन विधायकों ने अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट के पक्ष में समर्थन पत्र दिया था। हेमंत टकले ने सात विधायकों को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल बताया था। वहीं, विधानसभा अध्यक्ष को 30 अगस्त को अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी की ओर से आग्रह किया गया कि सातों विधायकों के संबंध में अयोग्यता याचिका पर भारत के चुनाव आयोग द्वारा अंतिम निर्णय आने तक कोई निर्णय नहीं लिया जाए। एनसीपी की नगालैंड की इकाई के अध्यक्ष वानथुंगो ओडयू ने विधानसभा अध्यक्ष के कार्यालय को 6 फरवरी को चुनाव आयोग द्वारा पार्टी चुनाव चिह्न को लेकर जारी किए गए आदेश को उपलब्ध कराया। नगालैंड विधानसभा अध्यक्ष ने शुक्रवार को फैसला सुनाते हुए पिक्टो शोहे, पी लॉन्गोन, नामरी नचांग, वाई म्होनबेमो हम्त्सो, एस तोइहो येप्थो, वाई मनखाओ कोन्याक और ए पोंगशी फोम को बड़ी राहत दी है। एनसीपी पर चुनाव आयोग का निर्णय अजित पवार गुट के पक्ष में था। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने फैसला किया कि अजित पवार के नेतृत्व वाला गुट एनसीपी और चुनाव चिह्न का हकदार है। उन्होंने कहा, एनसीपी के वैध नेता का समर्थन करना पार्टी विरोधी गतिविधियों के समान नहीं होगा और न ही अपनी मर्जी से पार्टी की सदस्यता छोड़ना और मामले में आगे बढ़ना निरर्थक होगा। लोंगकुमेर ने दसवीं अनुसूची के पैरा 2(1) ए का हवाला देते हुए कहा कि सात विधायक अयोग्य घोषित होने के लिए उत्तरदायी नहीं हैं।

सुप्रीम कोर्ट में संदेशखाली मामले पर सुनवाई हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना में संदेशखाली गांव में महिलाओं के कथित उत्पीड़न को लेकर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट आज सुनवाई करेगा। याचिका में मामले की जांच और उसके बाद सुनवाई पश्चिम बंगाल से बाहर कराने की मांग की गई है। वकील आलोक अलख श्रीवास्तव की तरफ से दायर याचिका में संदेशखाली के पीड़ितों के लिए मुआवजे की मांग की गई है। साथ ही अपनी जिम्मेदारी ठीक तरह से न निभाने के लिए पश्चिम बंगाल पुलिस के खिलाफ कार्रवाई करने को भी कहा गया है।

दो जजों की खंडपीठ में सुनवाई होगी

संदेशखाली मामले पर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ सुनवाई करेगी। इससे पहले रविवार को उत्पीड़न मामले के मुख्य आरोपियों में से एक शिबू हाजरा को आठ दिन की पुलिस हिरासत में भेजने की खबर आई। तृणमूल कांग्रेस नेता शिबू हाजरा को एक दिन पहले ही गिरफ्तार किया गया था। शिबू को हिरासत में भेजने का फैसला बशीरहाट सबडिवीजन कोर्ट ने सुनाया।

संदेशखाली को कुछ लोग तिल का ताड़ बना रहे

पूरे घटनाक्रम और राज्य की पुलिस पर लग रहे गंभीर आरोपों को लेकर सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि संदेशखाली में एक घटना घटी। पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम को भेजा गया। इसके बाद उनके मित्र भाजपा के लोग घुसे। फिर तिल का ताड़ बनाया गया। उन्होंने कार्रवाई और पीड़ितों को इंसाफ का आश्वासन देते हुए कहा, मैं अफसरों को भेजूंगी, जिनकी शिकायत हो बताएं। अगर किसी ने कुछ लिया है, तो सब कुछ वापस किया जाएगा।

संपादकीय

अपनी छाप छोड़ रहा

द एडमैंट गर्ल या कोट्टुक्कली, विनोथराज पीएस की दूसरी तमिल फिल्म है, जो एक युवा लड़की मीना (अन्ना बेन) को एक निचली जाति के व्यक्ति के लिए महसूस होने वाले प्यार से छुटकारा दिलाने के लिए एक ओझा के पास एक परिवार की सड़क यात्रा की कहानी बताती है। यह क्रोध का एक उत्कृष्ट अन्वेषण है जो हिंसक और मौन दोनों हो सकता है। एक तरफ लड़की के भावी पति पंडी (सूरी मुथुचामी) का गुस्सा है, जो उसे पीट–पीटकर अधीन करने की कोशिश करता है, और दूसरी तरफ उसका अपना गुस्सा है जो अधीनता के किसी भी प्रयास को खारिज करने के बारे में है। फिल्म एक परिवर्तनकारी यात्रा है, जिसका समापन कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न उठाता है। वास्तव में वह कौन है जिस पर कब्जा कर लिया गया है? और नियंत्रण में कौन है? किसे ठीक करने की जरूरत है? और किस चीज का? प्यार या गुस्सा? यह फिल्म विनोथराज को विशिष्ट सिनेमाई शैली के साथ एक जबरदस्त प्रतिभा साबित करती है। वह जो बोले गए शब्दों से निर्देशित होने के बजाय शारीरिक गति से संचालित होता है और कैमरा लगातार पात्रों का अनुसरण करता है क्योंकि वे चलते रहते हैं, जिससे दर्शकों को उनकी दुनिया में ले जाया जाता है। कोट्टुक्कली उन तीन भारतीय फीचर फिल्मों में से एक है, जो 2024 में बर्लिन में दर्शकों से खचाखच भरी थीं। अन्य दो हैं राम रेड्डी की हिंदी–अंग्रेजी भाषा में बनी द फैबल, जो हिमालय के एक बगीचे में होने वाली रहस्यमय घटनाओं के बारे में है और सिद्धार्थ जटला की हिंदी फिल्म, इन द बेली ऑफ ए हैं। टाइगर, जो मिथक, रूपक और वास्तविकता का मिश्रण है, यह दिखाने के लिए कि कैसे अभाव लोगों को ग्रामीण भारत में असीम हताशा की ओर ले जा सकता है। बर्लिन में उत्साह का प्रदर्शन सनडांस, रॉटरडैम और क्लेरमोंट–फेरैंड में अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में भारतीयों द्वारा जीते गए कई पुरस्कारों के तुरंत बाद हुआ। एक किशोरी की यौन जागृति और उसकी मां के साथ उसके तूफानी रिश्ते के बारे में शुचि तलाती की सरल–लेकिन–जटिल, साहसी–लेकिन–गर्म गर्ल्स विल बी गर्ल्स ने सनडांस में वर्ल्ड सिनेमा ड्रामेटिक सेक्शन में दर्शक पुरस्कार जीता और मुख्य अभिनेत्री प्रीति पाणिग्रही को प्रस्तुत किया गया। अभिनय के लिए विशेष जूरी पुरस्कार. उसी उत्सव में, विश्व सिनेमा डॉक्यूमेंट्री अनुभाग में शिल्प के लिए विशेष जूरी पुरस्कार अनिर्बान दत्ता और अनुपमा श्रीनिवासन की नॉक्टर्न्स को मिला, जो ज्वलंत दृश्यों और आश्चर्यजनक ध्वनि डिजाइन के साथ पतंगों के गुप्त जीवन की एक अंतरंग और गहरी झलक है। ऋषि चंदना की तमिल लघु फिल्म विरुंधु (द फीस्ट), दुनिया की लघु फिल्मों के सबसे बड़े महोत्सव क्लेरमोंट–फेरैंड में प्रतिस्पर्धा करने वाली एकमात्र भारतीय फिल्म है, जिसने विशेष अंतरराष्ट्रीय जूरी पुरस्कार जीता। यह एक झींगा बीनने वाली महिला के बारे में है जो अपने ही मछली पकड़ने वाले समुदाय के एक शक्तिशाली राजनेता के लिए भव्य भोजन की व्यवस्था करती है, यह सब स्थानीय झील और इसकी जैव विविधता को औद्योगिक प्रदूषण से बचाने की तात्कालिकता को सामने लाने के लिए किया जाता है। मिधुन मुरली की मलयालम–इंग्लिश किस वैगन ने रॉटरडैम में विशेष जूरी के साथ–साथ फिप्रेसी पुरस्कार भी जीता, जिसमें इसे ष्अजीब तरह से सुंदर और खूबसूरती से अजीब फिल्मष बताया गया। इशान शुक्ला की एनीमेशन फीचर, शिरकोआरू इन लाइज वी ट्रस्ट, ने रॉटरडैम में छम्ज्च।ब पुरस्कार जीता। एक डायस्टोपियन दुनिया के बारे में जहां लोगों को मशीनीकृत पेपर बैग प्रमुख बनने के लिए अपने चेहरे और पहचान छोड़ने के लिए मजबूर किया जाता है, यह भारतीय एनीमेशन के लिए एक आश्चर्यजनक छलांग का प्रतीक है और सच्चाई के बाद की दुनिया को परेशान करने वाले कांटेदार मुद्दों से जुड़ता है – दिमाग प्रबंधन, आप्रवासन, नफरत और कट्टरता. उभरते हुए तमिल सिनेमा के लिए अंतर्राष्ट्रीय महोत्सवों, विशेषकर रॉटरडैम, का इस पर ध्यान देना और जहां उनका मुंह है वहां अपना पैसा लगाना विशेष रूप से बहुत अच्छा रहा है। इस साल रॉटरडैम ने ऑफबीट और मुख्यधारा की तमिल फिल्मों के शक्तिशाली मिश्रण का जश्न मनाया, जिसमें ब्राइट फ्यूचर सेक्शन में अविनाश प्रकाश की नांगल का अंतर्राष्ट्रीय प्रीमियर और बिग स्क्रीन कॉम्पिटिशन सेक्शन में राम की सेवन सीज सेवन हिल्स का प्रीमियर शामिल था। लाइमलाइट अनुभाग के उच्च बिंदु कार्तिक सुब्बाराज के जिगरथंडा डबल एक्स का प्रीमियर और वेट्री मारन के विदुथलाई I और II का विश्व प्रीमियर थे। खुशी की बात यह है कि फेस्टिवल सर्किट में मनाई जाने वाली अधिकांश हालिया फिल्में युवा, ताजा प्रतिभा समूह से हैं, जो विविध पृष्ठभूमि से सिनेमा में आए हैं – तलाती और रेड्डी से, जिन्हें विदेश में प्रशिक्षित किया गया है, एक घरेलू व्यक्ति तक। स्व–सिखाया विनोथराज, जो मदुरै के पास अपने गृहनगर अरितापट्टी के आसपास शूटिंग देखने और चेन्नई में सड़क के किनारे माजिद मजीदी और स्टेनली कुब्रिक जैसे मास्टर्स की डीवीडी बेचने के दौरान फिल्में बनाने के लिए प्रेरित हुए। उनके विषय और शिल्प के साथ प्रयोग व्यापक हैं। तात्कालिक संस्कृतियों और संदर्भों में निहित होने के बावजूद, उनकी फिल्में सार्वभौमिक अनुभवों और भावनाओं से भरी होती हैं, जो विदेशों में उनकी अपील और सराहना को स्पष्ट करती हैं। लिंग, कामुकता और एजेंसी के बारे में कुछ उल्लेखनीय शॉर्ट्स बनाने के बाद, तलाती ने गर्ल्स विल बी गर्ल्स के साथ फीचर डेब्यू किया। शिरकोआ शुक्ला की पहली फीचर फिल्म है, जो उनकी 2016 की लघु फिल्म पर आधारित है।

स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के सिद्धांतों को बरकरार

आदित्य

इस प्रकार का भ्रष्टाचार वित्तीय प्रणाली, विशेषकर करदाताओं को नुकसान पहुंचाता है। क्रोनी पूंजीवाद, या बस क्रोनीवाद, का तात्पर्य आम जनता की कीमत पर, कानूनों और विनियमों में हेरफेर या किसी उदारता के निष्कर्षण के माध्यम से सत्ता में बैठे लोगों के साथ घनिष्ठ संबंधों से लाभ कमाने के लिए व्यवसायों की प्रथा है। यह लोकतंत्र के लिए विशेष रूप से हानिकारक है क्योंकि यह इसके मूल सिद्धांतोंरू निष्पक्षता, समानता और पारदर्शिता को कमजोर करता है। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें शक्तिशाली व्यक्तियों या निगमों का एक छोटा समूह गलत तरीके से या अनुचित रूप से सरकारी नीतियों और निर्णयों से लाभान्वित होता है। वे वित्तीय योगदान के बदले विभिन्न लाभ चाहते हैं। इस प्रकार का भ्रष्टाचार वित्तीय प्रणाली, विशेषकर करदाताओं को नुकसान पहुंचाता है। चूँकि घनिष्ठ पूंजीपतियों को कर रियायतें, छूट, आसान लाइसेंसिंग या अन्य उदारताएं आदि मिलती हैं, प्रतिस्पर्धी व्यवसायों को समान अवसर से वंचित कर दिया जाता है। और यदि ऐसे पूंजीपतियों को राजनीतिक दलों को किसी भी राशि का दान मिलता है और यदि सिस्टम उन्हें गुमनामी की अनुमति देता है, और दोनों पक्षों को किसी भी कानूनी प्रकटीकरण के दायित्व से मुक्त करता है, तो इससे पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी होती हैय और, यहां तक कि भ्रष्टाचार विरोधी कानून भी इस संबंध में बहुत कम मायने रखेंगे। यह भ्रष्ट व्यक्तियों या संस्थाओं के समान है जो अपनी संपत्ति बढ़ा रहे हैं – समाज को कोई लाभ या संपत्ति पैदा किए बिना। वे बस आर्थिक संसाधनों के वितरण में हेरफेर करते हैं। इसके अलावा, क्या होगा यदि शासक अपने दानदाताओं की मदद के लिए अपनी जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करें? अर्थव्यवस्था में धन का उचित वितरण विषम हो जाता है और इससे असमानता पैदा होगी। द इकोनॉमिस्ट के मुताबिक, पिछले 25 वर्षों में क्रोनी कैपिटलिस्टों की संपत्ति कई गुना बढ़कर 2023 में 3 ट्रिलियन डॉलर हो गई है, जो वैश्विक जीडीपी का लगभग 3 प्रतिशत है। और क्रोनी पूंजीपतियों की संपत्ति में 60 प्रतिशत से अधिक वृद्धि चार देशों – अमेरिका, चीन, रूस और भारत से हुई है। हाल ही में खघ्त्म किए गए चुनावी बांड मूलतः गुमनाम राजनीतिक दान हैं। आखिर राजनीतिक दलों को ऐसा चंदा क्यों स्वीकार करना चाहिए? वे अपने फंडिंग स्रोतों के बारे में लोगों को अंधेरे में क्यों रखना चाहते हैं? क्या यह एक दोषपूर्ण लोकतांत्रिक व्यवस्था को जन्म नहीं देगा जो वित्तीय भ्रष्टाचार और राजनीतिक फंडिंग पर पनपती है? राजनीतिक भ्रष्टाचार या विशेष हितों और लॉबी के अनुचित प्रभाव को रोकने के लिए, लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिए राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता आवश्यक है। पहले से ही, चुनाव कानूनों में खामियां उम्मीदवारों को मैदान में फिजूलखर्ची की गुंजाइश देती हैं। भारतीय चुनावों में काला धन सबसे बड़ी समस्या है. यदि गुमनामी प्रदान की जाए तो चुनावी बांड अवैध फंडिंग की सुविधा प्रदान कर सकते हैं। इस प्रकार, सुप्रीम कोर्ट ने सही और सराहनीय रूप से निर्णय दिया कि चुनावी बांड योजना संविधान के अनुच्छेद 19(1) (ए) के तहत सूचना के अधिकार और भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन करती है। इससे बदले की भावना पैदा हो सकती है। इसने यह भी सही फैसला सुनाया कि कंपनी अधिनियम में संशोधन जो व्यापक कॉर्पोरेट राजनीतिक फंडिंग और गुमनामी की अनुमति देता है, असंवैधानिक है। प्रतिशोध की राजनीति से बचाने के उद्देश्य से दानदाताओं को गुमनामी प्रदान करने के उद्देश्य से, मोदी सरकार के चुनावी बांड के प्रयोग ने अनजाने में पैसे और राजनीति के बीच गहरे संबंध की अनुमति दे दी, जैसा कि शीर्ष अदालत ने उजागर किया है। किसी भी दाता के खिलाफ उत्पीड़न या प्रतिशोध गुमनामी का आधार नहीं हो सकता है जो राजनीतिक जवाबदेही से पूर्ण छूट की अनुमति देता है। वास्तव में, दाताओं के बारे में सार्वजनिक जानकारी प्राप्तकर्ता पार्टी और उसके प्रतिद्वंद्वियों दोनों पर रोक लगाती है कि वे दाताओं को गैरकानूनी रूप से लाभ या उत्पीड़न करके अपनी स्थिति का दुरुपयोग न करें। साथ ही, घनिष्ठ पूंजीपति दूर रहेंगे और राजनीतिक भ्रष्टाचार कम हो जाएगा। इस प्रकार, पारदर्शिता राजनीतिक जवाबदेही की गारंटी है। राजनेताओं (शासकों) की प्राथमिकताओं पर मतदाताओं (लोगों) की सर्वोच्चता को सही ढंग से बरकरार रखा। यह देश में राजनीतिक और चुनावी फंडिंग के लिए नए अचूक सुधारों का समय है। अभियान वित्त कानूनों का सशक्त प्रवर्तन समय की मांग है। दान की मात्रा पर भी सीमा होनी चाहिए, जिससे धनी दानदाताओं के प्रभाव पर अंकुश लगाया जा सके।

ढहती संघीय इमारत को लेकर दक्षिण में चिंता का माहौल

विनोद

राष्ट्रीय चुनावों को एक ही समय में समन्वित किया जाए। विपक्ष शासित राज्यों ने लोकसभा चुनाव की पूर्व संध्या पर एक पुरानी शिकायत को पुनर्जीवित कर दिया हैरू केंद्र द्वारा राज्यों के खिलाफ भेदभाव। मुख्य मीडिया मुद्दों को कमतर दिखा रहा हैय लेकिन कुचली गई क्षेत्रीय आकांक्षाएं एक मजबूत भाजपा–विरोधी मुद्दा बन सकती हैं, जब राम मंदिर का रथ अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को ध्वस्त करने की धमकी दे रहा हो। कुछ दिन पहले, द्रमुक के नेतृत्व वाली तमिलनाडु विधानसभा ने भारतीय राज्य के संघीय चरित्र को कमजोर करने के केंद्र सरकार के कदमों के खिलाफ दो प्रस्ताव पारित किए थे। एक प्रस्ताव में एक राष्ट्र, एक चुनाव के नुस्खे की तीखी आलोचना की गई, जो चाहता है कि समय बचाने और लागत कम करने के लिए राज्य विधानसभा और राष्ट्रीय चुनावों को एक ही समय में समन्वित किया जाए। प्रस्ताव में कहा गया है कि स्थानीय निकाय, राज्य विधानसभाएं और संसद अपने–अपने क्षेत्रीय चक्र के आधार पर अलग–अलग समय पर चुनाव कराते हैं। इसमें हस्तक्षेप करना भारत के संविधान में परिकल्पित विकेंद्रीकरण के विपरीत है। दूसरे प्रस्ताव में केंद्र से 2026 में परिसीमन प्रक्रिया शुरू करने से परहेज करने का आह्वान किया गया है, जिसमें अद्यतन जनसंख्या जनगणना के आधार पर लोकसभा और विधानसभा सीटों का नया अनुपात तैयार किया जाएगा। यह प्रस्ताव दक्षिणी राज्यों के डर को व्यक्त करता है कि केंद्र उत्तरी प्रांतों की तुलना में उनका प्रतिनिधित्व कम करने पर तुला हुआ है। दक्षिण के कई राज्यों ने, आंशिक रूप से अपनी जनसंख्या वृद्धि को स्थिर रखते हुए, तेजी से प्रगति की है। प्रगतिशील परिवर्तन के लिए पुरस्कृत होने के बजाय, केंद्र इन राज्यों को उनकी जनसंख्या नियंत्रित करने के लिए दंडित करना चाहता है! सीएम सड़क पर उतरे इसके साथ ही कर राजस्व के बंटवारे से काफी गर्मी पैदा हो रही है। 1 फरवरी को अंतरिम बजट के तुरंत बाद, बेंगलुरु ग्रामीण से कांग्रेस सांसद डी.के. सुरेश ने मोदी सरकार पर हमला करते हुए कहा, दक्षिण भारत के साथ अन्याय हो रहा है। जो फंड दक्षिण तक पहुंचना चाहिए था, उसे डायवर्ट कर उत्तर भारत में वितरित किया जा रहा है। उन्होंने चिढ़ते हुए कहा, अलग देश की मांग करने के अलावा शायद कोई और विकल्प नहीं बचा है। कांग्रेसियों की आलोचना होना उचित है क्योंकि वह संप्रभु द्रविड़ नाडु की 1960 से पहले की मांगों के अशुभ रूप से करीब पहुंच रहे हैं। लेकिन इससे कर राजस्व का वितरण विवाद का बड़ा मुद्दा बनने से नहीं रुका है। कई राज्यों ने समाचार पत्रों में पहले पन्ने पर पूर्ण विज्ञापन देने और नई दिल्ली के लोकप्रिय विरोध स्थल, जंतर मंतर पर सत्याग्रह करने का फैसला किया है। भारत के दक्षिणी राज्यों के मंत्रियों और सांसदों ने केंद्र द्वारा संघीय निधि के वितरण में भेदभाव के खिलाफ पिछले बुधवार को राजधानी नई दिल्ली में विरोध प्रदर्शन किया। पहले दौर में, बुधवार 7 फरवरी को, कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने ही अपने कैबिनेट मंत्रियों और विधायकों के साथ विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि राजधानी बेंगलुरु देश में दूसरे सबसे अधिक करों में योगदान देने के बावजूद, पिछले 4 वर्षों में कर्नाटक ने केंद्र सरकार से वापस हस्तांतरित कर निधि में अपना हिस्सा 4.71 से घटकर कुल राष्ट्रीय करों का 3.64% हो गया है। पहले। सिद्धारमैया ने दावा किया कि कर के अनुचित विभाजन और जीएसटी के दोषपूर्ण कार्यान्वयन के कारण पिछले कुछ वर्षों में कर्नाटक को 1.87 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। अगले दिन, गुरुवार 8 फरवरी को, जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व सीपीएम के केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद खेजड़ीवाल और पंजाब के भागवत मान – सभी गैर–कांग्रेसी विपक्षी मुख्यमंत्रियों ने किया। केरल के मुख्यमंत्री ने दावा किया कि केंद्र से राज्य की प्राप्तियों में 57,400 करोड़ रुपये की गिरावट आई है, जीएसटी मुआवजे में 12,000 करोड़ रुपये की कमी हुई है, और केरल की पात्र उधार सीमा 39,626 करोड़ रुपये से घटकर 28,830 करोड़ रुपये हो गई है। अखण्ड भारत? यह महत्वपूर्ण है कि विपक्षी राज्य सरकारों को उस धनराशि की मांग के लिए सड़क पर विरोध प्रदर्शन करना पड़ा है जो स्वाभाविक रूप से उन्हें मिलना चाहिए था। संघवाद कैसे काम कर रहा है। प्रधान मंत्री मोदी ने संसद में ष्सरकारी धन पर विभाजनकारी राजनीतिष की निंदा की और कहा कि विपक्ष को देश को तोड़ने के लिए आख्यान खोजना बंद कर देना चाहिए। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दावा किया कि राज्यों को धन आवंटित करने में केंद्र के पास कोई गुंजाइश नहीं है और उसे 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों का पालन करना होगा। हालाँकि, जीएसटी बकाया के प्रत्यावर्तन में देरी और भाजपा शासित राज्यों के लिए धन के आवंटन में पक्षपात के बार–बार आरोपों ने इस बात को और बढ़ा दिया है।

अमेरिका की हस्तक्षेपवादी नीति

ललित

द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद से, संयुक्त राज्य अमेरिका ने विश्व राजनीति में हस्तक्षेपवाद, असाधारणवाद, अलगाववाद और एकपक्षवाद की अपनी नीतियों के माध्यम से प्रभुत्व और विस्तार किया है। अमेरिकी हस्तक्षेपवादी नीति पूरे इतिहास में उसके विदेशी संबंधों का एक निर्णायक पहलू रही है। सैन्य हस्तक्षेप से लेकर आर्थिक प्रतिबंधों तक, अमेरिका ने दुनिया भर के देशों में अपना प्रभाव डाला है। इसकी हस्तक्षेपवादी नीति का व्यापक विश्लेषण अफगानिस्तान, दक्षिण चीन सागर, यूक्रेन और इजराइल जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करके समझाया जा सकता है। वैश्विक मामलों में संयुक्त राज्य अमेरिका की भूमिका की गहरी समझ हासिल करने के लिए इन हस्तक्षेपों का ऐतिहासिक संदर्भ, प्रेरणाएँ और निहितार्थ महत्वपूर्ण हैं। अफगानिस्तान– एक दशक लंबा हस्तक्षेप अफगानिस्तान में संयुक्त राज्य अमेरिका का हस्तक्षेप 20वीं सदी के अंत से शुरू होता है। 1980 के दशक में, अमेरिका ने सोवियत संघ के खिलाफ प्रतिरोध में अफगान मुजाहिदीन लड़ाकों को सहायता प्रदान की थी। यह हस्तक्षेप शीत युद्ध की गतिशीलता और क्षेत्र में सोवियत प्रभाव का मुकाबला करने की इच्छा से प्रेरित था। हालाँकि, 1989 में सोवियत सेना की वापसी से अफगानिस्तान में शक्ति शून्य हो गई, जिससे राजनीतिक अस्थिरता पैदा हुई और तालिबान का उदय हुआ। 11 सितंबर 2001 को संयुक्त राज्य अमेरिका पर आतंकवादी हमले ने अफगानिस्तान में उसकी हस्तक्षेपवादी नीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ ला दिया। अमेरिका ने अल–कायदा को खत्म करने और तालिबान को सत्ता से हटाने के उद्देश्य से ऑपरेशन एंड्योरिंग फ्रीडम शुरू किया। प्रारंभिक सैन्य अभियान ने तालिबान शासन को सफलतापूर्वक उखाड़ फेंका, लेकिन बाद के राष्ट्र–निर्माण के प्रयास चुनौतीपूर्ण साबित हुए। इन वर्षों में, अमेरिका को अफगानिस्तान में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिनमें विद्रोह, भ्रष्टाचार और तालिबान का फिर से उभरना शामिल है। सैन्य और आर्थिक संसाधनों में महत्वपूर्ण निवेश के बावजूद, एक स्थिर अफगान राज्य के निर्माण का लक्ष्य मायावी रहा। 2021 में, राष्ट्रपति जो बिडेन ने अफगानिस्तान से अमेरिकी सैन्य बलों को गलत ढंग से वापस ले लिया, जिससे अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में तीव्र बहस और आलोचना छिड़ गई। दक्षिण चीन सागररू भूराजनीतिक तनाव दक्षिण चीन सागर भू–राजनीतिक तनाव का केंद्र रहा है, जहां कई देश विभिन्न द्वीपों और समुद्री क्षेत्रों पर संप्रभुता का दावा करते हैं। अमेरिका वियतनाम और फिलीपींस जैसे देशों के समर्थन के माध्यम से इस क्षेत्र में शामिल रहा है, जिनका चीन के साथ क्षेत्रीय विवाद है। दक्षिण चीन सागर में नौवहन की स्वतंत्रता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताने के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका ने नियमित रूप से नौवहन संचालन की स्वतंत्रता (एफओएनओपी) का आयोजन किया है। इन अभियानों में चीन के अत्यधिक समुद्री दावों को चुनौती देते हुए विवादित जल क्षेत्र से गुजरने वाले अमेरिकी नौसैनिक जहाज शामिल हैं। अमेरिका का तर्क है कि ये ऑपरेशन अंतरराष्ट्रीय कानून को कायम रखते हैं और चीन को महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर अनुचित नियंत्रण करने से रोकते हैं। दक्षिण चीन सागर में हस्तक्षेप की चीन ने आलोचना की है, जो इसे अपने क्षेत्रीय मामलों में हस्तक्षेप के रूप में देखता है। इस क्षेत्र में अमेरिका और चीन के बीच तनाव ने संभावित सैन्य संघर्ष के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं और द्विपक्षीय संबंधों में और तनाव पैदा कर दिया है। यूक्रेनरू प्रॉक्सी बैटल यूक्रेन में संघर्ष 2014 में शुरू हुआ जब रूस ने क्रीमिया पर कब्जा कर लिया, जो ऐतिहासिक रूप से यूक्रेन का हिस्सा था। अमेरिका ने अपने यूरोपीय सहयोगियों के साथ, रूस के कार्यों की निंदा की और प्रतिक्रिया में आर्थिक प्रतिबंध लगाए। इसने देश के पूर्वी हिस्से में रूस समर्थित अलगाववादियों के साथ चल रहे संघर्ष में यूक्रेन को सैन्य सहायता प्रदान की है। इस सहायता में हथियार, प्रशिक्षण और राजनयिक समर्थन शामिल है। अमेरिका यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता का भी मुखर समर्थक रहा है और उसने संघर्ष के राजनयिक समाधान पर जोर दिया है। यूक्रेन में संघर्ष के व्यापक भू–राजनीतिक निहितार्थ हैं, अमेरिका और रूस इस क्षेत्र में प्रभाव के लिए छद्म लड़ाई में लगे हुए हैं। अमेरिका यूक्रेन के प्रति अपने समर्थन को रूस का मुकाबला करने के एक तरीके के रूप में देखता है। हालाँकि, अमेरिका और रूस के बीच तनाव बढ़ गया है, जिससे द्विपक्षीय संबंध खराब हो गए हैं। इजराइलरू एक जटिल रिश्ता अमेरिका लंबे समय से इजराइल का कट्टर समर्थक रहा है और सैन्य, आर्थिक और राजनयिक सहायता प्रदान करता रहा है। यह समर्थन साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, रणनीतिक हितों और ऐतिहासिक संबंधों में निहित है। इसने पड़ोसी देशों के साथ संघर्ष में लगातार इजराइल का समर्थन किया है और क्षेत्र में शांति समझौते कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इजराइल के लिए इसका समर्थन भी विवाद और आलोचना का विषय रहा है। इजरायल –फिलिस्तीनी संघर्ष और फिलिस्तीनी क्षेत्रों पर इजरायल के कब्जे ने मानवाधिकारों के उल्लंघन और दो–राज्य समाधान की व्यवहार्यता के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं। इजराइल के लिए अमेरिका के अटूट समर्थन ने उन लोगों की आलोचना की है।

विद्यार्थी अपनी एकेडमिक शिक्षा के जरिए कटेंन्ट बनाकर शिक्षा और अर्निग दोनों कर सकते हैं - अल्का पाण्डेय

–ज्ञानस्थली फाउंडेशन ने छात्रों के भविष्य हेतु संभावनाओं पर किया मार्ग दर्शन।
–पीयू में छात्रों के करियर तथा अवसर हेतु संयुक्त रूप से किया गया संगोष्ठी।
–संगोष्ठी में रोजगार के लिए दिए गए कई टिप्स।

दैनिक देश की उपासना

क्राईम ब्यूरो धनन्जय विश्वकर्मा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग रज्जू भैया संस्थान ट्रेंनिंग प्लेसमेंट सेल तथा ज्ञानस्थली फाउंडेशन लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में संस्थान के आर्यभट्ट सभागार में सोमवार को करियर के अवसर एवं मार्गदर्शन विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों के इंटरव्यू,पर्सनालिटी डेवलपमेंट, बुद्धि तार्किक शक्ति के बारे में विस्तृत जानकारी दिया । किस तरीके से आपको अपने आप को विल डिवेलप करना है जिससे आपको अच्छी संस्था में नौकरी मिल सके। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता श्रीमती अलका प्रकाश पांडे ने UGC/CSIR-NET/GATE/IIT-JAM प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु मार्गदर्शन किया। एसडीएम बदलापुर डॉ ज्ञान प्रकाश ने प्रशासनिक सेवा हेतु प्रतियोगी परीक्षाओं पर प्रकाश डाला। ज्ञान प्रकाश ने वीडियो के चलचित्र के माध्यम से बच्चों को मोटिवेट किया जिससे लक्ष्य प्राप्ति के लिए बच्चे सजक और तैयार रहे बच्चों का मोरल भी बढ़ाया। डॉक्टर ज्ञान प्रकाश के वक्तव्य से बच्चे प्रभावित हुए, कई छात्रों ने अपनी समस्याओं को एसडीम बदलापुर से सभागार में कहा और उनके प्रश्नों के उत्तर सहज रूप से एसडीएम साहब ने बताया। इंजिनियर देवर्षि मिश्रा ने विद्यार्थियों को NEET/CAT आदि प्रतियोगी परीक्षाओं के तैयारी के दौरान उत्पन्न होने वाली बाधाओं तथा समाधान पर प्रकाश डाला। छात्रों के डाउट भी क्लियर किया गया, जिसमें छात्रों के आगामी परीक्षाओ में किसी प्रकार की समस्या न उत्पन्न हो सके।

इस अवसर पर संगोष्ठी की संरक्षिका प्रोफेसर वंदना सिंह कुलपति वीर बहादुर सिंह विश्वविद्यालय जौनपुर ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम में भाग लेने हेतु विद्यार्थियों को प्रेरित किया। विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. राजेश शर्मा ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान धैर्य, लगन व अनुशासन के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन केमिस्ट्री M.Sc. के छात्र मंजीत गुप्ता ने किया। पूर्वांचल विश्वविद्यालय की ट्रेनिंग तथा प्लेसमेंट सेल के समन्यवक प्रोफेसर प्रदीप कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया। अतिथियों का स्वागत रज्जू भैया संस्थान के निदेशक डॉक्टर प्रमोद कुमार यादव ने किया संगोष्ठी के संयोजक डॉ प्रमोद कुमार विभागाध्यक्ष रसायन विभाग ने संगोष्ठी की रूपरेखा पर प्रकाश डाला तथा साथ ही बताया कि विभाग निरंतर छात्र–छात्राओं के विकास के लिए इस प्रकार की संगोष्ठियों का आयोजन करता रहा है। इस अवसर पर प्रो. देवराज सिंह प्रो. मिथिलेश सिंह, डॉ. दिनेश कुमार वर्मा, डॉ मिथिलेश यादव, डॉ एस. पी. तिवारी, डॉ दीपक कुमार मौर्या, डॉ. आशीष वर्मा, डा. पुनीत कुमार धवन, डॉ. सुजीत कुमार चौरसिया, डॉ काजल कुमार डे, डा. विजय शंकर पांडेय तथा विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षक और विभिन्न संकायों के छात्र–छात्राएं भी उपस्थित रहे।

कम मतदान प्रतिशत वाले बूथ पर आयोजित हुआ मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी जिला निर्वाचन अधिकारी रविंद्र कुमार माँदड़ ने निर्देशित किया है कि विगत लोकसभा चुनाव 2019 में कम मतदान प्रतिशत वाले मतदान केन्द्रों पर विशेष रुप से मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जाए। मतदान बूथ जहाँ पर मतदान प्रतिशत राज्य औसत 59.11 प्रतिशत से कम है वहां मतदान प्रतिशत बढ़ाये जाने के लिए टारगेटेड स्वीप गतिविधियां संचालित किया जाय, जिससे मतदान प्रतिशत बढ़ाया जा सके तथा किन कारणों से कम मतदान हुआ इसका कारण ज्ञात करते हुए समस्या दूर कर लोगों को मतदान करने हेतु जागरूक व प्रेरित किया जाए। इसी क्रम में आज जनपद के 9 विधानसभाओ में सबसे कम मतदान प्रतिशत वाले 366 जौनपुर विधानसभा के बूथ संख्या 146 कम्पोजिट विद्यालय मानीकलां (जिसपर 2019 में 28.87 प्रतिशत मतदान हुआ था) पर चुनावी पाठशाला आयोजित कर मतदाताओं को जागरूक किया गया। मानीकलां मतदान केंद्र पर स्थित बूथ संख्या 147 पर 34.15 प्रतिशत व 148 पर 36.36 व 149 पर 36.84 व 150 पर 40.91 प्रतिशत मतदान हुआ था। स्वीप टीम द्वारा इस क्षेत्र का भ्रमण करने पर ज्ञात हुआ कि पिछले लोकसभा चुनाव में इस मतदान केन्द्र पर कम मतदान प्रतिशत होने का सबसे बड़ा कारण जो ज्ञात हुआ वो यहाँ के मतदाता का रोजगार के सिलसिले से व शिक्षा के लिए बाहर रहना पाया गया।

इस अवसर पर जिला स्वीप कोआर्डिनेटर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा स्वीप टीम के साथ उपस्थित रहें और कहा कि आने वाले लोकसभा चुनाव 2024 में मतदान की तिथि को सभी मतदाता अपने घरों से निकले और अपने मतदान केंद्र पर जाकर अपना वोट जरुर दे, तथा अपने परिवार और अपने आस पास के लोगो को भी मतदान करने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वोट का अपना एक अलग महत्व है, अपना वोट देकर लोकतंत्र की जड़ को मजबूत करें। जो लोग बाहर रहते हैं वे सभी लोग भी लोकतंत्र के इस महापर्व में अपने शहर, गाँवध्घर आएं और मतदान के दिन अपने मतदान केंद्र पर जाकर वोटिंग करें। जिससे मजबूत लोकतंत्र वाली सरकार का गठन हो, और जनपद का मतदान प्रतिशत भी बढ़े।

इस अवसर पर प्रधानाध्यापक सत्यदेव तिवारी, फरमान अली खान, बृजेश गुप्ता, शब्बी बानो, बीएलओ सुष्मिता, सुमन साहू, तसलीम जहरा, तारा देवी, अभीजीत कुमार, राजेश कुमार पाठक, दयाशंकर यादव, राजमणि यादव, विभोर कुमार, राजेश वर्मा आदि सहित क्षेत्र के मतदाता उपस्थित रहे।

जेसीआई जौनपुर चेतना ने चलाई संसदीय प्रणाली की प्रशिक्षण कार्यशाला

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जेसीआई जौनपुर चेतना ने टी डी कॉलेज रोड स्थित एक सभागार में सभापति एवं संसदीय प्रणाली की एक प्रशिक्षण कार्यशाला चलाई गई जिसमें मंडल प्रशिक्षक जेसीआई सीनेटर विशाल गुप्ता ने कहा इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य अध्यक्ष को बैठकों को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने और टीम के सदस्यों को बैठकों में संसदीय प्रक्रियाओं को सीखने और लागू करने में सक्षम बनाना है।इस अवसर पर अध्यक्ष जेसी मीरा अग्रहरि ने कहा कि हम बैठक तो एक अंतराल पर करते ही रहते हैं लेकिन प्रभावी ढंग से बैठकों को करना एक विशेष कला है जो की जेसीआई द्वारा ही सिखाया जाता है। साथ ही कहा कोरम,मतदान,एजेंडा आदि के बारे में आज मंडल प्रशिक्षक द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई जिसका प्रयोग करके संस्था एवं संस्था सदस्य अपनी बैठक तथा नियमित जीवन में भी उपयोग कर अपने व्यक्तित्व को प्रभावशाली बना सकते हैं। इस बैठक में संस्थापक अध्यक्ष मेघना रस्तोगी पूर्व अध्यक्ष चारू शर्मा तथा पूर्व अध्यक्ष कल्पना केसरवानी कोषाध्यक्ष मीना गुप्ता, इंदिरा जायसवाल, शिल्पी जायसवाल, सरिता बैंकर, सारिका सेठ, प्रतिमा गुप्ता, ममता गुप्ता, रिंकी जायसवाल, राजकुमारी मोदनवाल, अनीता गुप्ता, शारदा गुप्ता, ममता कश्यप, ज्ञानेश्वरी गुप्ता, गायत्री जायसवाल, संचित बैंकर, सरला महेश्वरी,ज्योति शाह,सुधा बैंकर,चेतन साहू,विभा गुप्ता,रजनी साहू,आदि उपस्थित रही कार्यक्रम का संचालन सचिव वंशिका सिंह ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम संयोजक अनीता गुप्ता ने किया।

प्रशिक्षक जेसीआई सीनेटर विशाल गुप्ता द्वारा संस्था के सदस्यों को इस पाठ्यक्रम के बारे में बताया गया। प्रशिक्षण देते हुए मंडल

विज्ञान चेतना हेल्पलाइन 20 फरवरी 2024 को खुलेगी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। जे डी माध्यमिक लखनऊ मण्डल 'डॉ0 प्रदीप कुमार' के नेतृत्व में यू पी बोर्ड परीक्षा–2024 इंटरमीडिएट विज्ञान वर्ग के परीक्षार्थियों को उनके मुख्य विषयों गणित,भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, अंग्रेजी में अच्छे अंक प्राप्त करने के टिप्स व शंका समाधान करने के उद्देश्य से विशेषज्ञों की टीम बैठेगी, हेल्पलाईन का शुभारम्भ जे डी माध्यमिक लखनऊ मण्डल डॉ0 प्रदीप कुमार व डी डी आर लखनऊ मण्डल रेखा दिवाकर द्वारा किया जायेगा। विज्ञान चेतना हेल्पलाइन के निर्देशक व मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ0दिनेश कुमार ने बताया कि यू पी बोर्ड परीक्षा 2024 इंटरमीडिएट में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थी दिनांक 20 फरवरी 2024 (मंगलवार) की अपरान्ह 3 बजे से 5 बजे तक (सिर्फ एक दिन 2 घण्टे के लिए) 'विज्ञान चेतना हेल्पलाइन नम्बर 9415664679' पर कॉल कर अपने मुख्य विषयों भौतिक विज्ञान ,रसायन विज्ञान ,जीव विज्ञान, गणित,अंग्रेजी विषयों में शंका समाधान व अच्छे अंक प्राप्त करने की टिप्स प्राप्त करने के लिए कॉल कर सकते हैं। डॉ0दिनेश कुमार ने बताया कि विज्ञान चेतना हेल्पलाइन–2024 में उपस्थित रहने वाले विशेषज्ञों की टीम निम्नलिखित है–

1–रसायन विज्ञान– डॉ0दिनेश कुमार, विज्ञान प्रगति अधिकारी लखनऊ मण्डल व

डॉ0 श्वेता श्रीवास्तव, प्रवक्ता राजकीय बालिका इंटर कॉलेज इन्दिरा नगर लखनऊ

2–भौतिक विज्ञान– डॉ0अरविन्द कुमार वर्मा,प्रवक्ता, राजकीय जुबिली इण्टर कॉलेज लखनऊ

3–जीव विज्ञान –सुश्री दीप्ति विश्वकर्मा प्रवक्ता,राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सरोसा भरोसा लखनऊ

4– गणित– पवन कुमार तिवारी,कुम्हरावां इण्टर कॉलेज लखनऊ

5–अंग्रेजी– वन्दना तिवारी प्रवक्ता राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सरोसा भरोसा लखनऊ

प्रदेश स्तरीय जूनियर बालक/बालिका अण्डर–19 बैडमिण्टन प्रतियोगिता का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर खेल निदेशालय उ0प्र0, लखनऊ के तत्वावधान में खेल विभाग उ0प्र0 एवं उ0प्र0 बैडमिण्टन संघ के समन्वय से प्रदेश स्तरीय जूनियर बालकध्बालिका (अण्डर–19) बैडमिण्टन प्रतियोगिता का आयोजन 27 से 29 फरवरी, 2024 तक मुरादाबाद में किया जा रहा है। उक्त के क्रम में जनपद जौनपुर के इंग्लिश/जौनपुर क्लब में जूनियर बालक/बालिका बैडमिण्टन का जनपदीय चयन परीक्षण 21 फरवरी 2024 को प्रातः 10 बजे से किया जायेगा। जनपद चयन परीक्षण में चयनित खिलाड़ियों को ही मण्डलीय चयन परीक्षण हेतु भेजा जायेगा। मण्डलीय चयन परीक्षण 24 फरवरी 2024 को प्रातः 10 बजे से पी0एन0यू0 क्लब, वाराणसी में किया जायेगा। मण्डल स्तर पर चयनित खिलाड़ी ही प्रदेश स्तरीय जूनियर बालकध्बालिका बैडमिण्टन प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। इच्छुक खिलाड़ी निर्धारित प्रारूप पर अपना पात्रता प्रमाण पत्र फोटो सहित तथा आयु प्रमाण–पत्र प्रधानाचार्य द्वारा प्रमाणित तथा आधार कार्ड के साथ, हाई स्कूल अंक पत्र की छायाप्रति साथ लेकर राधेश्याम मौर्य उर्फ बाबा (9415257247) /बैडमिण्टन प्रशिक्षक से सम्पर्क कर चयनध्परीक्षण में प्रतिभाग कर सकते हैं। उक्त जानकारी क्रीड़ा अधिकारी द्वारा दी गयी है।

डाक्टर प्रियंवदा संरक्षक व शुभा सिंह बनी अध्यक्ष ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। लाइन बाजार स्थित आईएमए भवन में जौनपुर आब्स एंड गायनी सोसाइटी की बैठक हुई। इसमें नई कार्यकारिणी का चुनाव हुआ। जिसके संरक्षक डॉ प्रियंवदा सिंह, अध्यक्ष डॉक्टर सुभा सिंह,उपाध्यक्ष डॉ अंजू कनौजिया, सचिव डॉक्टर शैली निगम, सह सचिव डॉक्टर आरके गुप्ता, कोषाध्यक्ष डॉक्टर शिल्पी सिंह, क्लीनिकल सचिव डॉक्टर अंबर खान, सह क्लीनिकल सचिव डॉक्टर याशिरा, लाइब्रेरियन क्लीनिकल सेक्रेटरी डॉक्टर शिखा शुक्ला संस्कृतिक सचिव डॉक्टर पंखुड़ी श्रीवास्तव,मीडिया प्रभारी डॉक्टर स्मिता श्रीवास्तव को चुना गया।

कड़ी सुरक्षा में केंद्रों पर पहुंचेंगे प्रश्न पत्र, 22 फरवरी से शुरू होगी परीक्षा'

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद से संचालित हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट 2024 की 22 फरवरी से जिले के 122 केन्द्रों पर दो पालियों में परीक्षाएं शुरु हो रही हैं। यूपी बोर्ड प्रयागराज की ओर से जिले में प्रश्नपत्र पहुंच चुका है। जिसे संकलन केंद्र शहर के जी.आई.सी में पुलिस के पहरे में रखवाया गया है। डी.आई.ओ.एस रविशंकर ने बताया कि सोमवार से पुलिस की कड़ी सुरक्षा में प्रश्नपत्र परीक्षा केन्द्रों पर भेजा जाएगा। परीक्षा केन्द्रों पर बने स्ट्रांग रूम में लोहे की डबल लॉक अलमारी में पेपर आवश्यकताएं डबल लॉक युक्त दो आलमारी, सीसीटीवी कैमरा आदि ठीक करा लें। तथा प्रश्नपत्रों के पहुंचने की सूचना बाह्य केन्द्र व्यवस्थापकों एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेटों को अवगत कराते हुए टीमों की उपस्थिति में ही स्ट्रांग रूम में रखना सुनिश्चित करें। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा के लिए सभी केन्द्र व्यवस्थापक अपने स्तर से सम्बंधित थाने से सशस्त्र पुलिस बल की व्यवस्था अनिवार्य रूप से कर लें। यूपी बोर्ड के आदेश के अनुपालन में जिला विद्यालय निरीक्षक रविशंकर ने परीक्षा के प्रश्नपत्रों शील्ड कार्टून

रखे जाएंगे। जो सी.सी.टी.वी कैमरे की निगरानी में होंगे। वहां पर सुरक्षा व्यवस्था मुकम्मल रहेगी। परीक्षा प्रभारी जितेंद्र दुबे ने बताया कि बोर्ड के आदेश पर डी.आई.ओ.एस ने सभी केन्द्र व्यवस्थापकों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि सोमवार को जी.आई.सी स्थित स्ट्रांग रूम से हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट के प्रश्नपत्रों को परीक्षा केन्द्रों पर भेजा जाएगा। प्रश्नपत्रों के पहुंचने के पहले स्ट्रांग रूम से सम्बंधित समस्त बाक्सों को राजकीय इण्टर कॉलेज के स्ट्रांग रूम से परीक्षा केन्द्रों तक पुलिस की अभिरक्षा में पहुंचाने के लिए सोमवार को सुबह सात बजे से पहले जीआईसी पर उपस्थित होने का निर्देश राजकीय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों, प्रवक्ताओं और परिचारकों को दिया था। इसमें 33 प्रधानाचार्यों, प्रवक्ताओं, सहायक अध्यापकों, परिचारकों की ड्यूटी लगी है। इसमें आठ प्रधानाचार्य, चार प्रवक्ता, 10 परिचारक 11 सहायक अध्यापकों को शामिल किया गया है।

पेपर लीक कर पढ़वाने वाले गैंग के चार सदस्य गिरफ्तार

हाथरस, संवाददाता। यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन 18 फरवरी को थाना सादाबाद पुलिस, एसओजी व सर्विलांस टीम ने परीक्षा में अभ्यर्थियों से मोटी रकम वसूल कर पेपर लीक करने, सॉल्वर बैठाने, पेपर को लीक कराकर पढ़वाने वाले व पेपर न मिलने पर फर्जी आन्सर शीट दिखाकर ठगी करने वाले गिरोह के चार सदस्यों को हाथरस जनपद से गिरफ्तार किया। इन पर मुकदमा दर्ज कर दिया गया है। पुलिस टीम को सूचना मिली कि उत्तर प्रदेश पुलिस की परीक्षा के दौरान पेपर लीक करने व वास्तविक अभ्यर्थी के स्थान पर सॉल्वर द्वारा परीक्षा दिलाने वाले गिरोह के कुछ व्यक्ति गाड़ी से बल्देव की तरफ से सादाबाद आ रहे हैं। सूचना पर चौधरी चरण सिंह तिराहा सादाबाद के पास से सॉल्वर गैंग गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तगणों ने बताया कि वह पहले भी 10 वर्षो से विभिन्न प्रतियोंगी परीक्षाओं में सेंधमारी का काम कर चुके हैं । यह लोग प्रत्येक लड़के से आठ से 10 लाख रुपये की सेटिंग करते हैं । परीक्षा से पहले छह लाख रुपया एडवांस ले लेते है तथा शेष रुपया पास होने पर लेते हैं। तीन लोगों से छह लाख रुपये लेकर संतोष निवासी नगला मियां को दिया और एक अभ्यर्थी का सौदा 10–10 लाख के हिसाब से तय हुआ है, शेष रुपया परीक्षा पास होने बाद लिया जाता है । संतोष व गढी रायपुर थाना नौहझील जनपद मथुरा के योगेन्द्र व ज्ञानी को उसने उत्तर प्रदेश पुलिस नागरिक पुलिस भर्ती कराने के लिये लड़के दिये है तथा प्रत्येक से 8–10 लाख रुपये का सौदा हुआ है, जिनमें 2–2 लाख रुपया सभी से लिया है।

वार्षिकोत्सव समारोह बड़े धूमधाम से मनाया गया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

श्री राम प्रताप उच्चतर माध्यमिक विद्यापीठ संस्थान, उमरी का 19वा संस्थापना दिवस एवं वार्षिकोत्सव समारोह बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। जिसमें छात्रों के द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी, पोस्टर प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो श्री प्रकाश तिवारी, विभागाध्यक्ष सूक्ष्म जीव विज्ञान, पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर विशिष्ठ अतिथि डॉ संदीप कुमार यादव, सहायक आचार्य संस्कृत विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज एवं डॉ कुँवर शेखर गुप्ता, सहायक आचार्य, तिलकधारी महाविद्यालय, जौनपुर ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाया। कार्यक्रम की शुरुवात विद्यालय के प्रबंधक, मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। बच्चों ने बड़े ही अनोखे अंदाज में विज्ञान का मॉडल प्रस्तुत किया और छोटे बच्चों के द्वारा पोस्टर एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर जनपद के अनन्य सेवानिवृत्त शिक्षकों जिनके द्वारा राष्ट्र निर्माण के लिए अपने शिक्षण के माध्यम से अनूठा योगदान दिया गया है को विद्यालय के संचालक डॉ श्रीनिवास तिवारी जी द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. श्री प्रकाश तिवारी जी ने अपने संबोधन में बच्चों की प्रतिभा की तारीफ की तथा उनके द्वारा बनाये गए विज्ञान मॉडल की सराहना की। विशिष्ट अतिथि कुँवर शेखर ने शिक्षा के इस बाग को सजाने के लिए बागबान रूपी प्रबंधक को नमन किया तथा विद्यालय में संस्कार युक्त राष्ट्र निर्माणकारी शिक्षण के लिए संचालक, प्रधानाचार्य तथा प्रत्येक अध्यापक को धन्यवाद दिया और विद्यालय के संचालक द्वारा अनवरत रूप से किये जा रहे सेवानिवृत्त शिक्षकों के सम्मान जैसे अनूठे पहल की दिल से सराहना की। विद्यालय के बच्चों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों के माध्यम से आये हुए अतिथियों, जनपद के गणमान्य शिक्षकों, अभिभावकों तथा आस– पास के क्षेत्र से उपस्थित दर्शकों के मन को मोह लिया। विद्यालय के प्रबंधक प्रेमनारायण तिवारी जी ने सभी आगुन्तकों के सहयोग एवं स्नेह के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया । अंत में आभार विद्यालय के संचालक डॉक्टर श्री निवास तिवारी जी ने व्यक्त किया।

गेहूं में पत्ती धब्बा रोग यानि लीफ ब्लाच रोग के लक्षण समय से करें उपचार. डा.सौरभ वर्मा

सुल्तानपुर। इस समय की मुख्य फसल गेहूं की है गेहूं की फसल बाली निकलने की अवस्था में आ रही है। समय से बुवाई किये गेहूं में बालियाँ दिखाई देना शुरू हो गयी है, जबकि विलम्ब में बोये गए गेहूं की फसल में वानस्पतिक वृद्धि अभी और होनी चाहिए। इसके लिए किसान भाइयो को खेतों में नमी और उर्वरको का प्रयोग कर प्रबंधन करने की आवश्यकता है। आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र बरासिन, सुल्तानपुर द्वितीय द्वारा जिले में गेहूं के प्रक्षेत्रो का निरीक्षण करने से गेहूं में पत्ती धब्बा रोग यानि लीफ ब्लॉच रोग के लक्षण दिखाई दे रहे है। इस रोग में पौधों की निचली पत्तियों पर पानी से भरे हुए और छोटे हरित हीन घाव नजर आते हैं। रोग निचली पत्तियों से ऊपरी पत्तियों तक फैल जाता हैं। बाद में ये घाव पीले किनारे वाले धूप जले हुए से कत्थई, अंडाकार आकार के पत्तियों के धब्बे में बदल जाते हैं। बुरी तरह प्रभावित पत्तियां सिरे से मरने लगती हैं क्योंकि ये धब्बे आपस में मिलाने लगते हैं। यह रोग कवक से होता हैं। यह कवक पानी के द्वारा फैलता हैं और इसे संक्रमण फैलाने के लिए 12 से 18 घंटे की पत्तियों की नमी की आवश्यकता होती है। इस बीमारी

के निवारक उपाय के लिए मृदा में पोटेशियम के स्तर का ध्यान रखें। पौधों के अवशेषों को सतह के नीचे दबा देने के लिए गहराई तक जुताई करें। खेत से भूसा तथा अन्य पौधों के कचरे को हटा दें। पत्ती धब्बा रोग के नियंत्रण हेतु थायोफिनेट मेथाइल 70 प्रतिशत की 700 ग्राम, जिरम 80 प्रतिशत की 2.0 किलोग्राम, मैंकोजेब 75 प्रतिशत 2.0 किलोग्राम प्रति हेक्टयर लगभग 750 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए। नये रसायनो में टेबुकोनाजोल 25 मिलीलीटर अथवा प्रोपिकोनाजोल 20 मिलीलीटर प्रति स्प्रेयर टंकी की दर से छिड़काव करें। मौसम के लगातार परिवर्तन के कारण गेहूं में माहू का प्रकोप भी देखा गया हैं। इसके नियंत्रण के लिए किसी सम्पर्कशीय कीटनाशक का प्रयोग करें। नीम का तेल या निम्बीसिडिन का प्रयोग भी 4.0 प्रतिशत की दर से किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान से जुड़ना गौरव की बात - प्रो. वंदना सिंह

पूर्वांचल विश्वविद्यालय को पीएम–उषा योजना के तहत 20 करोड़ का अनुदान मिला

जल, सोलर, हाईड्रोजन एनर्जी समेत अन्य क्षेत्रों पर होगा शोध

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर. वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय को प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम–उषा) योजना के अन्तर्गत 20 करोड़ रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ है। देश के राज्य विश्वविद्यालयों से प्रतिस्पर्धा स्तर पर पूर्वांचल विश्वविद्यालय को यह अनुदान पीएम–उषा योजना के ग्रांटस टू स्ट्रेनथेन यूनिवर्सिटी के अंतर्गत प्राप्त हुआ है। इस श्रेणी में देश के मात्र 52 विश्वविद्यालयों को अनुदान प्राप्त हुआ है जिसमें पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने अपना जगह बनाया है। इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. वंदना सिंह को विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने बधाई दी है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय निरंतर आगे बढ़े इसलिए हम सब मिलकर कार्य करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को अनुदान मिलना शिक्षा में उत्कृष्टता और नवाचार के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है इससे शोध को और गति मिलेगी. उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान से जुड़ना गौरव की बात है। उन्होंने बताया कि पीएम–उषा योजना के तहत यूनिवर्सिटी को 20 करोड़ रुपये का अनुदान मिला है. इसका उपयोग राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरूप विश्वविद्यालय को अंतरविषयक शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय के रूप में विकसित करने के लिए किया जाएगा। अनुदान से भारत सरकार के द्वारा फोकस विश्वस्तर के अंतरविषयक क्षेत्रों जैसे सोलर, हाईड्रोजन एनर्जी और वाटर रिसर्च के विभिन्न पहलुओं पर कार्य किया जाएगा। जिसके लिए विश्वविद्यालय में एक इन्टर डिसिप्लिनरी सेंटर फॉर वाटर एण्ड एनर्जी रिसर्च की स्थापना की जाएगी। साथ ही विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के स्नातक, परास्नातक प्रयोगशालाओं को उन्नयन किया जाएगा जिससे विश्वविद्यालय में प्रभावी रूप से शिक्षण एवं शोध कार्यों को बढ़ावा मिलेगा। पीएम–उषा को–ऑर्डिनेटर प्रो० मानस पाण्डेय ने कहा कि विश्वविद्यालय का लक्ष्य अनुसंधान और नवाचार के लिए विश्वस्तरीय माहौल बनाना है, जिससे विश्वविद्यालय और उसके संबद्ध कॉलेजों दोनों को लाभ हो सके । विश्वविद्यालय द्वारा अनुदान का उपयोग ओपन डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल)/ऑनलाइन/डिजिटल शिक्षा के लिए बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए भी किया जाएगा, जिससे सामाजिक रूप से वंचित समुदायों के लिए उच्च शिक्षा के अवसर सुनिश्चित होंगे।

साथ ही साथ रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे जिससे की छात्रों का समुचित विकास हो एवं रोजगार को बढ़ावा मिले। इस प्रोजेक्ट के समिति में डॉ० गिरिधर मिश्र, डॉ० धीरेन्द्र चौधरी तथा डॉ० धर्मेन्द्र सिंह आदि शामिल रहे।

सीसीटीवी की निगरानी व सीएमएस का दावा हो रहा खोखला साबित

प्रतिबंध के बावजूद जिला चिकित्सालय मे तैनात चिकित्सक लिख रहे बाहर की दवा

अयोध्या। शासन–प्रशासन के निर्देश की बावजूद मरीजों की जेब ढीली करने के लिए चिकित्सक बाहर की दवा लिखने से बाज नहीं आ रहे। दावा तो सीसीटीवी कैमरे की निगरानी और कड़ी चौकसी का किया जा रहा है, लेकिन हालात जस के तस है। नवागत कार्यवाहक सीएमएस नरेंद्र प्रसाद गुप्ता चिकित्स्कों के रवैये पर कोई अंकुश लगा पाने में असमर्थ साबित हो रहे हैं अलबत्ता उन्होंने अस्पातल परिसर में सूचनाओं पर सेंसर जरूर लगा दिया है। वैसे तो समय समय पर जिला अस्पताल के डाक्टरों और सर्जन की ओर से बाहर की महंगी दवाओं को लिखे जाने का मामला सामने आता रहा है। कई बार मरीजों व तीमारदारों तथा अन्य की ओर से अस्पताल प्रशासन से लेकर शासन–प्रशासन और इस संबंध में जनप्रतिनिधियों से शिकायत की गई और कई बार जाँच के लिए समिति भी बनी लेकिन हर बार परिणाम सिफर ही रहा। अब फिर से जिला अस्पताल के चिकित्स्कों की ओर से बाहर की दवा लिखे जाने का मामला प्रकाश में आया है। हाल यह कि मरीजों की जेब पर डाका डालने में अन्य स्टाफ भी पीछे नहीं हैं। एक महिला मरीज नीलम वर्मा पत्नी अशोक कुमार ने आर्थो सर्जन को दिखाया तो उन्होंने सरकारी दवा के साथ बाहर की तीन दवाएं लिख दीं। इतना ही नहीं आर्थोपेडिक्स विभाग में ही खुद को दिखाने पहुंचे भरतराज सिंह पुत्र बाबू रोशन सिंह को फिजियोथेरपिस्ट ने भी 4 दवाएं बाहर की लिख दीं। हाल इतना ही नहीं है बल्कि पेट में दर्द की शिकायत पर जिला अस्पताल पहुंचे जनाना अस्पताल रोड निवासी मरीज राम गोपाल को ड्यूटी पर तैनात फिजिशियन ने सरकारी के अलावा दस दिन के लिए सनविट,विजिलाक सीरप और स्काटलिव डीएस नामक दवा लिख दी।यह हाल तब है जब स्वास्थ्य मंत्री और प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने बाहर की दवा लिखने पर सख्त पाबंदी लगा रखी है। गत वर्ष मार्च माह में इसी तरह के प्रकरण में एक पत्रकार से डाक्टर का विवाद भी हुआ था और मामले की शिकायत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076,प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक समेत मुख्यालय से की गई थी।

चाची से दुष्कर्म का आरोपी भतीजा गिरफ्तार

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिले के कुमारगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में रिश्ते में सगी चाची से भतीजे द्वारा दुष्कर्म किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। हालांकि पुलिस ने आरोपी भतीजा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले में तत्परता दिखाते हुए उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक कुमारगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव निवासी महिला ने अपने भतीजे के खिलाफ दुष्कर्म किए जाने का आरोप लगाते हुए मुकदमा काम किए जाने हेतु पुलिस को तहरीर दी। जिसकी जांच किए जाने के बाद मामला सही पाए जाने पर प्रभारी निरीक्षक रतन सिंह ने आरोपी युवक विन्देश पासी पुत्र राम भगन के खिलाफ धारा 376 आईपीसी के तहत मुकदमा दर्ज कर उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित कर दी थी। पुलिस टीम ने महज 48 घंटे के अंदर आरोपी युवक को थाना क्षेत्र स्थित डबल नहर पुल से गोकुला जाने वाले मार्ग पर गिरफ्तार कर लिया और थाने ले आई। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय पेश किया जहां उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रमुख रूप से प्रभारी निरीक्षक रतन सिंह उपनिरीक्षक अरविन्द कुमार पटेल तथा कांस्टेबल रवि शंकर यादव शामिल रहे। सबसे मजे की बात तो यह है कि आरोपी युवक की आगामी 4 मार्च को शादी होनी सुनिश्चित थी। उसके शादी की तैयारी भी चल रही थी। किंतु अब उसके जेल चले जाने के बाद अब परिजनों में वैवाहिक समारोह के आयोजन को लेकर छाई खुशियां मातम में बदल गई हैं।

भाजपा सरकार से निजात चाहती है जनता - मिठाई लाल

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर चल रहे पीडीए पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत बीकापुर विधानसभा के गुंधौर में आयोजित चौपाल को सम्बोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि बाबा साहेब वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती ने कहा कि भाजपा सरकार में आम जनता त्रस्त है महंगाई चरम सीमा पर है उन्होंने कहा कि जनता भाजपा सरकार से निजात चाहती है लोकसभा के चुनाव में अयोध्या जनपद से समाजवादी पार्टी का प्रत्याशी विजई होगा तथा सभी कार्यकर्ताओं को अभी से ही लोकसभा चुनाव के तैयारी में लग जाना चाहिए और सपा सरकार की जन कल्याण नीतियों को आम जनता तक पहुंचना है । श्री भारती ने कहा कि 2024 लोकसभा का चुनाव संविधान बचाने का चुनाव है तथा संविधान बचाने का काम समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ही कर सकते हैं । इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के पूर्व मंत्री विधायक अवधेश प्रसाद ने कहा कि आप सभी लोगों का सहयोग रहा तो 2024 लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी के तौर पर ऐतिहासिक विजय हासिल की जाएगी और केंद्र में इंडिया गठबंधन के नेतृत्व में सरकार बनेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने जो विकास का कार्य किया है जनता आज भी उसे याद कर रही है।प्रदेश महासचिव पूर्व विधायक जयशंकर पांडेय ने कहा कि जब भी समाजवादी पार्टी की सरकार बनी है प्रदेश में सर्वाधिक विकास हुआ है जनता आज भी समाजवादी पार्टी को आशा भरी निगाहों से देख रही है । बीकापुर विधायक प्रत्याशी रहे हाजी फिरोज खान गब्बर ने कहा कि आने वाले लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी सर्वाधिक सीट जीतकर केंद्र की सरकार बनाने में अहम भूमिका निभायेगी।सपा जिला प्रवक्ता चौधरी बलराम यादव ने बताया कि आज के कार्यक्रम में आए हुए सभी पार्टी के नेताओं कार्यकर्ताओं ने लोकसभा चुनाव जीतने का संकल्प लिया । कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सचिव नागेश्वर करी ने किया तथा इस अवसर पर महिला सभा की जिला अध्यक्ष सरोज यादव प्रदेश सचिव छोटे लाल यादव हरिराम करी सुनीता कोरी जिला उपाध्यक्ष एजाज अहमद ओ पी पासवान प्रदेश सचिव छेदी सिंह प्रदेश सचिव कृष्ण कुमार पटेल चौधरी बलराम यादव राजकुमारी कोरी कमलेश सोलंकी सुभाष चंद्र लहरी सत्य प्रकाश कोटी नर्सिंग भारती जय प्रकाश भारती सुरेंद्र बागी जगत नारायण यादव राम केवल यादव अजय कुमार वर्मा संजय यादव आदि लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय बौद्ध महासभा व सामाजिक न्याय परिषद ने अखंड भारत बनाने का लिया संकल्प

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। आज दिनांक 18 फरवरी 2024 को राष्ट्रीय बौद्ध महासभा एवं सामाजिक न्याय परिषद उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में

एक दिवसीय कार्यकर्ता सम्मेलन सहकारिता भवन लखनऊ में संपन्न हुआ। जिसकी अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष राजाराम आनंद पूर्व राज्य मंत्री ने की। मुख्य अतिथि धर्म प्रकाश भारती बौद्ध (पूर्व विधायक एवं संस्थापक राष्ट्रीय बौद्ध महासभा) ने कहा कि आज पूरी दुनिया को बुद्ध की शिक्षाओं की जरूरत है, भारत के समस्त लोगों को संप्रदायिक ताकतों के विरुद्ध मिलकर संघर्ष करना होगा, और हमें अपने देश का खोया हुआ गौरव दोबारा हासिल करके भारत को पुनः अखंड भारत बनाना होगा। बादल सिंह बौद्ध (राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष) ने कहा कि वर्ण व जाति को समाप्त किया जाना जरूरी है तभी बाबा साहब अंबेडकर जी का संकल्प पूरा होगा और बौद्धमय भारत बनेगा। सामाजिक न्याय परिषद के राष्ट्रीय संयोजक भैया जी साहब सिंह धानगर ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पिछड़े वर्ग के लोगों को संगठित होकर अपनी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण के लिए आंदोलन करने की जरूरत है, राष्ट्रीय बौद्ध महासभा उत्तर प्रदेश के उपाध्यक्ष दशरथ मौर्य ने कहा कि मुट्ठी भर पूंजीपति आज संविधान और लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं देश की बहुजन समाज को संविधान की रक्षा के लिए आगे आना होगा। कार्यकर्ता सम्मेलन में रामलाल पूर्व विधायक, ओम नारायण अहिरवार पूर्व संयुक्त सचिव, जगदीश प्रसाद बाबूजी, दयाराम अहिरवार एडवोकेट, हरिश्चंद्र सत्यार्थी एडवोकेट, दयालीराम बौद्ध, उपाशिका सारिका बौद्ध, प्रेम नारायण बौद्ध झांसी, डॉ संतराम प्रजापति, सुखदेव बौद्ध, हेमंत कुमार मौर्य, सुशील कुमार निगम, सरोज कुमार, सुरेश चंद्र गौतम, मनीराम बौद्ध, हरभजन सिंह, भगवान सिंह भारती, अशोक कुमार शाक्य, ओंकार सिंह बौद्ध, किशोरी लाल बौद्ध, सरमनलाल पाल, सूरजपाल कश्यप,अतर सिंह पाल एवं प्रदेश के विभिन्न जनपदों से सैकड़ो साथी उपस्थित रहे।

रेमंड के चेयरमैन और एमडी गौतम हरि सिंघानिया ने किया रामलला का दर्शन पूजन

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। रेमंड के चेयरमैन व मैनेजिंग डायरेक्टर गौतम हरि सिंघानिया ने नहरबाग, रामपथ पर 'एथनिक्स बाय रेमंड' स्टोर की लॉन्चिंग के लिए भूमि पूजन करने से पहले प्रभु श्रीराम का दर्शन पूजन किया।भूमि पूजन के बाद बॉलीवुड, खेल और निवेशक लोगों की मौजूदगी में गौतम सिंघानिया ने कहा, ''आज, मैं भारतीयों के लिए भारत के हित को आगे बढ़ाने के लिए, अयोध्या में परंपरा का जश्न मना रहा हूं।हम यहां रेमंड के पहले एथनिक्स स्टोर के उद्घाटन के साथ एक नए अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं।इस मौके पर मैं रेमंड के संकल्प को मजबूत करने के लिए भगवान राम का आशीर्वाद चाहता हूं। हमारी समृद्ध विरासत ही सही है।इसका उद्देश्य परंपरा को आधुनिकता के ताने–बाने में सहजता से बुनना है। इस दौरान बड़ी संख्या में डीलर और व्यापार भागीदार भी वहां मौजूद थे।इससे पहले गौतम सिंघानिया ने रेमंड के इस आगामी प्रयास के लिए राम मंदिर में आशीर्वाद मांगा।

चयनित 62 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, लखनऊ, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अलीगंज, लखनऊ एवं क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में डी.डी.यू.जी.के.वाई. योजनान्तर्गत, आर०एस० डिग्री कॉलेज, अलीनगर, सुनेहरा, ब्लाक सरोजनी नगर, लखनऊ, में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसका शुभारम्भ भानु प्रताप सिंह. संस्थापक, आरएएस डिग्री कॉलेज एवं सुरेन्द्र यादव, एडवोकेट, हाईकोर्ट द्वारा किया गया जिसमें 15 कम्पनियों ने प्रतिभाग किया जिसमें 580 अभ्यर्थी सम्मिलित हुए जिसमें से 169 अभ्यर्थियों को रोजगार का अवसर प्राप्त हुआ। भानु प्रताप सिंह, संस्थापक, आरएएस डिग्री कॉलेज एवं सुरेन्द्र यादव, एडवोकेट, हाईकोर्ट द्वारा द्वारा मेले में चयनित 62 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण किया गया। इंजिनियर पी कुमार यादव डायरेक्टर, ज्ञान दीप चौरिटेबल ट्रस्ट, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन लखनऊ भी मौजूद रहे।

बाइक पलटने से तीन युवक घायल,एक मेडिकल कालेज रेफर

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिले के नगर कोतवाली क्षेत्र स्थित नाका ओवरब्रिज पर रविवार को दूसरी पहर एक बाइक डिवाइडर से टकरा अनियंत्रित होकर पलट गई।हादसे में तीन घायलों को जिला अस्पताल लाया गया,जिनमें से एक युवक की हालत गंभीर होने के चलते चिकित्सक ने हायर सेंटर रेफर किया है। दूसरी पहर एक अपाचे बाइक सवार तीन युवक लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग होकर कैंट थाना क्षेत्र के सहादतगंज से अयोध्या कोतवाली के रामघाट क्षेत्र स्थित कशी राम कालोनी जा रहे थे। हाइवे पर नाका ओवरब्रिज पर उधर से गुजर रहे वाहन से टक्कर को बचाने के चक्कर में बाइक अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर से टकराकर सड़क पर पलट गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर 108 एंबुलेंस के ईएमटी सुरेश कुमार ने तीनों को लगभग 3 बजे जिला अस्पताल पहुंचाया। इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डा आशीष पाठक ने हालत अत्यंत गंभीर देख कैंट थाना क्षेत्र के मुरावन टोला सहादतगंज निवासी 20 वर्षीय राहुल निषाद पुत्र रामू निषाद को दर्शननगर मेडिकल कालेज रेफर कर दिया, जबकि इसी थाना क्षेत्र के सहादतगंज निवासी 18 वर्षीय अजीत यादव पुत्र तुलसीराम और रौनाही थाना क्षेत्र के कटरौली निवासी 18 वर्षीय सूरज पुत्र राम सुधार को भर्ती कर लिया। बाद में अजीत यादव को हालत में सुधार होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

मध्य प्रदेश की घायल महिला श्रद्धालु भर्ती

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। रामलला का दर्शन–पूजन करने आई हादसे का शिकार एक महिला श्रद्धालु को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। देर शाम अयोध्या कोतवाली क्षेत्र में ग्रीन फील्ड आवास योजना स्थित टेंट सिटी के पास एक महिला श्रद्धालु उधर से गुजर रही रोडवेज बस की चपेट में आकर घायल हो गई। घायल महिला श्रद्धालु 40 वर्षीय अनीता शर्मा पत्नी शिवकुमार शर्मा निवासी पास माल थाना पासमाल जिला बड़वानी मध्य प्रदेश को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। श्रीरामदर्शन यात्रा के तहत वह एक दल के साथ आस्था ट्रेन से आज ही इंदौर से अयोध्या आई थी। इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर आशीष पाठक ने बताया कि रोडवेज बस का पहिया चढ़ने से महिला का दाहिने पैर घायल हुआ है।उसे भर्ती किया गया है।

वाहन की टक्कर से साइकिल सवार किशोरी घायल

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर रौनाही थाना क्षेत्र में साइकिल सवार एक किशोरी चार पहिया वाहन की टक्कर से घायल हो गई।घायल किशोरी 15 वर्षीय मंजू पुत्री राम महेश निवासी ग्राम सुवरी थाना रौनाही को गंभीर हाल में एनएचआई एंबुलेंस के ईएमटी हुकुम सिंह ने जिला अस्पताल पहुंचाया है। हादसा सत्ती चौरा क्षेत्र में हुआ।

घटना के समय किशोरी अपने बहनोई शंकर के घर मोहम्मदपुर से आ रही थी।

विवाहिता ने खाया सल्फास, जिला अस्पताल से रेफर

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिले के खंडासा थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर अमानीगंज निवासी एक विवाहिता ने घर में रखी सल्फास की दो गोली खा ली। हालत बिगड़ने के बाद उसे उसका पति शाम को जिला अस्पताल लेकर आया।

हालत गंभीर होने के चलते चिकित्सक ने 51 वर्षीय देव कुमार पत्नी अजय कुमार को दर्शन नगर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

आठ आस्था स्पेशल ट्रेन से रामलला का दर्शन करने पहुंचे हजारों राम भक्त

–विभिन्न स्टेशनों पर पुष्पवर्षा, व तिलक लगा कर किया गया स्वागत।

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। श्री राम दर्शन यात्रा में रविवार को आठ आस्था स्पेशल ट्रेन से हजारों रामभक्त रामलला के दर्शन की आस मन में लिए राम नगरी पहुंचे। विभिन्न स्टेशनों में पुष्पवर्षा, घंटा–घडियाल, शंख की मंगल ध्वनि के मध्य तिलक लगा कर सभी राम भक्तों का अभिनंदन किया गया। आस्था स्पेशल ट्रेनों से हजारों रामभक्त यहां पहुंचे। जय श्रीराम के जयघोष से रेलवे स्टेशन गुंजामान हो गया। सलारपुर स्टेशन पर गुजरात, महाराष्ट्र, तेलंगाना से ट्रेन पहुंची। जहां इं.रणवीर सिंह, कर्मवीर सिंह, अंकुर सिंह, वीरसेन का आशीष श्रीवास्तव द्वारा रामभक्तों का स्वागत किया। अयोध्या धाम स्टेशन पर मध्यप्रदेश से दो ट्रेन, गुजरात तथा तमिलनाडु से ट्रेनें पहुंची। जहां उदित सराफ, रोहित सिंह कीर्तिवर्धन सिंह, सूरज सिंह, सौरभ पाण्डेय, मोहित दास, अंकुर सिंह ने स्वागत किया। अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर दिल्ली से ट्रेन पहुंची। जहां हरीश कुमार श्रीवास्तव, बृजेश ओझा, मोहित मिश्रा, अभिनव द्विवेदी, शशांक उपाध्याय, अनुराग सिंह, गौतम सिंह, शनि सिंह, सूर्यांश चोपड़ा द्वारा स्वागत किया गया। महाराष्ट्र के रामभक्तों को हनुमान गुफा टेंट सिटी, तथा अन्य सभी को नव्य अयोध्या में बनी टेंट सिटी बसों द्वारा भेजा गया। इसके अतिरिक्त हजारों की संख्या में राम भक्त नोएडा से बसों के माध्यम से रामलला के दर्शन को पहुंचे। जो नव्य अयोध्या टेंट सिटी पहुंचे। आवास व्यवस्था में भोजन तथा विश्राम के बाद सभी रामलला के दर्शन के लिए गए।

शास्त्रीय नृत्यों और लोक भजनो से सराबोर राम कथा पार्क

हनुमान चालीसा पर नृत्य नाटिका ने मोहा, मयूर नृत्य पर थिरके श्रद्धालु

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। रामलला के दर्शनों को आए श्रद्धालुओं की श्रद्धा को अयोध्या स्थित ष्राम कथा पार्क में एक नया आयाम मिल रहा है।भक्ति गीतों के साथ नृत्य के द्वारा कलाकारो की प्रस्तुति में सभी डूब जाते है। अपराह्न सत्र में पूज्य उज्ज्वल शांडिल्य जी के द्वारा रामकथा के बाद के सत्र में पहले अवधी लोकगायक अंकित उपाध्याय ने ष्सांवरिया जय राम रघुबर कीष गाकर शुरुआत की इसके बाद ष्दुनिया में देव हजारोंष से प्रभुराम जी की आराधना की। अंबरीस चंद्र पांडेय ने भक्ति की धारा को बढ़ाते हुए भजन प्रस्तुत किया ष्कोई आया सखी,फुलवरिया मेंष तो महिलाएं सहज भाव से उठकर नृत्य करने लगी। मिथिला में भी रामजी के सुदर्शन रूप पर न्योछावर स्त्रियों के भावों को ष्पहुना के गरियाइया जिनष गाकर व्यक्त किया तो सभी उल्लासित हो गए।लखनऊ से आए कथक के प्रख्यात कलाकार राघवेंद्र प्रताप सिंह ने नृत्य नाटिका के द्वारा मंच पर चक्रवर्ती जी द्वारा पुत्रेष्टि यज्ञ,चारो राजकुमारों के जन्म से लेकर सीता स्वयंवर तक का प्रसंग मंचित करके सभी को मोह लिया। ठुमक चलत राम चंद्र पर कलाकारो का ममत्व और धनुष भंग के पूर्व जनक जी की पीड़ा का दृश्य सभी दर्शकों को भावुक कर गया।तालियों की गूंज में इस प्रस्तुति के बाद मंच पर प्रतिमा यादव के दल ने पारंपरिक पचरा ष्बाजन बजत बधाइयां गाया तो उपस्थित ग्रामीण अंचल की महिलाओं को मानो अपना स्वर मिल गया हो। सभी इस गीत के साथ तालियों से अपनी प्रसन्नता व्यक्त करने लगी । इसी वातावरण में राम के बियाह में बनके बरातिया चलब जैसे गाया गया सभी एक बार फिर से झूमने लगे।पूरे पांडाल में भक्तिरस का संचार हो चुका था । लोक में डूबे श्रदालुओ को इशिका त्रिपाठी के दल की नृत्य नाटिका ने त्रेता युग का अहसास कराया जब मंच पर कलाकारो ने मंथरा कैकेई के कुटिल और कैकेई दशरथ के मध्य क्रूर संवादों को प्रस्तुत किया। दर्शक दम साधकर देख रहे थे अपने राम का वनवास,केवट से मिलन और भरत से मिलना,हर दृश्य पर उठती तालियां और सजल नेत्र स्वयं कलाकारो के समर्थ अभिनय की पुष्टि कर रहे थे। दर्शकों को त्रेता युग से निकाल कर द्वापर युग में लेकर आए पं.जितेंद्र पराशर, जिनके दल ने राधा कृष्ण के उदात्त प्रेम को मयूर कुटी में राधारानी के कृष्ण दर्शन को मयूर नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया। मयूरो के अनूठे नृत्य ने सभी को मोह लिया और जय सिया राम के साथ राधे राधे की गूंज सरयू तट पर सुनाई देने लगी।भारी संख्या में दर्शकों की उपस्थिति के मध्य उर्मिला पांडे के दल ने रामजी के जीवन प्रसंगों को नृत्य नाटिका के माध्यम से प्रस्तुत करके कार्यक्रम को ऊंचाई प्रदान किया। इसके बाद डा. जया राय के दल ने नृत्य नाटिका के माध्यम से हनुमान चालीसा को प्रस्तुत करके वाहवाही बटोर ली।हनुमान जी के गुणों का वर्णन नृत्य के द्वारा देखना सभी के लिए रोमांचकारी था। कलाकारो के साथ सभी हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे थे और तालियों से स्तुति करके कलाकारो का साथ दें रहे थे। कार्यक्रम का संचालन आकाशवाणी के उद्घोषक देश दीपक मिश्र ने किया।देर रात्रि तक दर्शकों की उपस्थिति में कलाकारो का सम्मान निदेशक अंतरराष्ट्रीय रामायण एवम शोध संस्थान डा लवकुश द्विवेदी ने किया।इस अवसर पर कार्यक्रम समन्वयक अतुल कुमार सिंह, दीपशिखा, ऋतिका, आकाश, राजपूत, आयुष, सत्यप्रकाश समेत संतजन और भरी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मंदबुद्धि युवती से युवक ने किया दुराचार, मुकदमा दर्ज

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिले के इनायत नगर थाना क्षेत्र स्थित एक गांव में आयोजित तेरहवीं भोज में खाना खाने जा रही 24 वर्षीय मंदबुद्धि युवती से गांव के ही एक युवक द्वारा पैसे का लालच देकर दुष्कर्म किए जाने का मामला प्रकाश में आया है।मामले में युवती के पिता की तहरीर पर इनायत नगर पुलिस आरोपी युवक के विरुद्ध दुष्कर्म का मुकदमा कर पीड़ित युवती को मेडिकल परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। हालांकि पुलिस अभी आरोपी युवक को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक इनायत नगर थाना क्षेत्र के एक गांव में तेरहवीं भोज का आयोजन था।

देर शाम 24 वर्षीय मंदबुद्धि युवती कार्यक्रम में भोजन करने जा रही थी तभी रास्ते में गांव के ही एक युवक ने उसे पहले फैसला कर पैसे का लालच दिया और बगल स्थित एक बाग में खींच ले गया। जहां उसने मंदबुद्धि युवती के साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद युवती अपने घर पहुंची और अपने परिजनों से अपने साथ हुई सारी कहानी बयां की। जानकारी के बाद पीड़ित युवती को लेकर उसका पिता थाने पहुंचा और दुष्कर्म के आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा कायम किए जाने हेतु तहरीर दी। जिसके आधार पर प्रभारी निरीक्षक संदीप कुमार सिंह ने आरोपी युवक के खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रभारी निरीक्षक श्री सिंह ने बताया कि मामले में पीड़ित युवती को मेडिकल परीक्षण हेतु अस्पताल भेज दिया गया है। आरोपी युवक की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम भी गठित कर दी गई है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

राजस्व निरीक्षक संघ के अमरनाथ अध्यक्ष और जयनारायण मंत्री निर्वाचित

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। उत्तर प्रदेश राजस्व निरीक्षक संघ के जनपदीय चुनाव में रविवार को सभी पदाधिकारियों का निर्विरोध निर्वाचन हो गया। अमरनाथ पांडेय को संघ का जिला अध्यक्ष और जयनारायण तिवारी को मंत्री चुना गया है।सिविल लाइन स्थित तहसील परिसर के सभागार में आयोजित बैठक में बृजनाथ द्विवेदी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, शोभाराम यादव को कनिष्ठ उपाध्यक्ष, राजाराम को संगठन मंत्री, राजेंद्र प्रताप सिंह को कोषाध्यक्ष तथा सुरेश श्रीवास्तव को ऑडिटर नियुक्त किया गया। चुनाव अधिकारी के रूप में उत्तर प्रदेश राजस्व निरीक्षक संघ के मंडल अध्यक्ष सुनील कुमार शुक्ला मौजूद रहे। नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष अमरनाथ पांडेय ने संगठन को मजबूत बनाने और संगठन को बढ़ाने के लिए सदैव तत्पर रहने तथा संगठन के पदाधिकारियों की समस्याओं का निराकरण कराने की बात कही है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या - 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।